दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-07 भोपाल, गुरुवार 18 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

आज का सुविचार

स्वयं को बेहतर बनाना ही बेहतर परिवार, बेहतर गाँव, बेहतर नगर, बेहतर स्कूल, बेहतर समाज, बेहतर देश या बेहतर विश्व बनाने के लिए पहला कदम है।

कहावत

पंचांग

कार्तिक शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, गुरुवार, 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:34/5:36
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	45 %
वायु (किमी/घं.)	08
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 50,755

शेयर सूचकांक

बीएसई	60322.37	-396.34
निफ्टी	17999.20	-110.25

चीन ने की डराने की कोशिश : भारत से लगी सीमा पर बॉम्बर प्लेन तैनात किए

इनकी लॉन्ग रेंज मिसाइलों की जद में दिल्ली और एयरबेस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली/बीजिंग

चीन ने एक बार फिर भारत को धमकाने की कोशिश की है। चीनी फौजों ने भारत से लगी सीमा पर बॉम्बर प्लेन तैनात किए हैं। ये एयरक्राफ्ट ष्ट्छ्-20 लॉन्ग रेंज मिसाइलों से लैस हैं, जिनकी जद में दिल्ली भी है। पिछले हफ्ते 11 नवंबर को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की वायुसेना की 72वीं एनिवर्सिरी पर चाइना सेंट्रल टेलीविजन ने हिमालय के पास से उड़ान भर रहे इन H-6K बॉम्बर्स प्लेन की फुटेज भी जारी की थी। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, अमूमन बीजिंग के करीब तैनात रहने वाले अपने फाइटर जेट्स को भी चीन ने शिनजियांग इलाके में शिफ्ट किया है। ये इलाका उस जगह के करीब है, जहां भारत और चीन के बीच विवाद है। पोस्ट से बातचीत में मिलिट्री एनालिस्ट एंथनी वॉन्ग ने कहा कि बॉम्बर एयरक्राफ्ट और इनकी CJ-20 मिसाइलों की रेंज में दिल्ली भी आती है। ये सीधे तौर पर भारत के लिए चेतावनी है। एक दूसरे एनालिस्ट सोंग जॉन्गपिंग

का मानना है कि चीनी सेना भारत की राजधानी से ज्यादा रेंज में आने वाले एयरबेस को निशाना बनाना बेहतर समझेगी। उन्होंने कहा कि चीन रिहायशी इलाकों पर हमला करना नहीं चाहेगा और ऐसे में वह अपनी लॉन्ग रेंज मिसाइलों से दिल्ली को निशाना बनाना नहीं चाहेगा। इसी साल जून में चीन ने कई दिनों तक लद्दाख के करीब अपने इलाके में स्टील्थ बॉम्बर जेट ॥-20 का टेस्ट किया था। यह जेट रडार की जद में आए बिना टारगेट को तबाह करने की क्षमता रखता है। मिलिट्री एक्सपर्ट के मुताबिक, ये स्टील्थ बॉम्बर कई आधुनिक तकनीकों से लैस है। यह परमाणु हमला कर सकता है या नहीं, ये अभी स्पष्ट नहीं किया गया है।

ताइवान को भी इन्हीं बॉम्बर्स से धमकाया था

चीन ने इसी साल जनवरी में ताइवान के एयरस्पेस में अपने ॥-6ॅ बॉम्बर एयरक्राफ्ट भेजे थे। ताइवान इस हरकत से बेहद नाराज हो गया था और जवाब में उसने भी अपनी मिसाइलों के टारगेट पर चीन को ले लिया था। इसके बाद चीन ने अपने इन बॉम्बर एयरक्राफ्ट को वापस बुला लिया था। चीनी विमानों की घुसपैठ के तुरंत बाद ताइवान ने लगातार अलर्ट जारी किए और इन विमानों को निशाने पर ले लिया था।

विवाद सुलझाने के लिए 13 दौर की वार्ता बेनतीजा रही थी

भारत और चीन के बीच सैन्य कमांडर स्तर पर 13 दौर की बातचीत हो चुकी है। भारतीय सेना ने ॣ्ट से लगे इलाकों और दूसरे विवादित हिस्सों को लेकर कई सुझाव चीन को दिए पर पड़ोसी इन पर सहमत नहीं हुआ। ऐसे में इन वार्ताओं का कोई नतीजा नहीं निकला।

एयरक्राफ्ट में नहीं नजर आईं लॉन्ग रेंज मिसाइलें

एक अन्य एनालिस्ट ने चाइना सेंट्रल टेलीविजन की फुटेज का अध्ययन करने के बाद कहा कि बॉम्बर विमानों पर कई शॉर्ट रेंज मिसाइलें फिट थीं, लेकिन इन पर लॉन्ग रेंज मिसाइलें नजर नहीं आईं। साफ है कि चीन की तरफ से ये जानबूझकर उठाया गया कदम है।

कोरोना के बीच विवाद बढ़ाना नहीं चाहता चीन

मिलिट्री साइंस रिसर्चर झोऊ चेनमिंग ने कहा कि ये महज साधारण चेतावनी वाला कदम है। चीन निश्चित तौर पर सीमा विवाद को बढ़ाना नहीं चाहता है। इसकी वजह ये है कि सर्दियों में कोरोना महामारी के और ज्यादा प्रभावी होने की आशंका है।

भारत के लिए लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 82वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। मोदी ने कहा कि हमें आने वाले वर्षों में, देश को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाना है, असाधारण लक्ष्य हासिल करने हैं। ये संकल्प 'सबके प्रयास' से ही पूरे होंगे और लोकतंत्र में, भारत की संघीय व्यवस्था में जब हम 'सबका प्रयास' की बात करते हैं तो सभी राज्यों की भूमिका उसका बड़ा आधार होती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के लिए लोकतन्त्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं है। लोकतंत्र तो भारत का स्वभाव है, भारत की सहज प्रकृति है। उन्होंने कहा कि ये सम्मेलन हर साल कुछ नए विमर्शों और नए संकल्पों के साथ होती है। हर साल इस मंथन से कुछ न कुछ अमृत निकलता है।

त्रिपुरा हिंसा; UAPA के तहत आरोपी वकीलों और पत्रकार को SC से राहत

त्रिपुरा। त्रिपुरा हिंसा में UAPA के तहत आरोपी बनाए गए वकीलों और पत्रकारों को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने अगले आदेश तक इन पर कठोर कार्यवाही नहीं करने का निर्देश दिया है। दरअसल, स्ष्ट में याचिका दायर करके UAPA की FIR को चुनौती दी गई है। दो वकीलों- मुकेश कुमार, अंसारुल हक अंसारी और एक पत्रकार- श्याम मीरा सिंह ने UAPA के कठोर प्रावधानों के तहत दर्ज आपराधिक मामले रद्द करने की मांग की है। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने मामले में UAPA लगाने के लिए त्रिपुरा पुलिस से जवाब भी मांगा है।

कॉमेडियन के बयान पर विवाद

वीर दास ने अमेरिका के लाइव शो में दिया भारत विरोधी बयान

एफआईआर दर्ज होने के बाद दी सफाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कॉमेडियन वीर दास अपने भारत विरोधी बयान को लेकर मुश्किल में फंस गए हैं। वीर ने वॉशिंगटन डीसी के %जॉन एफ कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स% में अपनी परफॉर्मेंस का वीडियो यूट्यूब चैनल पर शेयर किया है। छह मिनट के इस वीडियो में वीर ने अमेरिकी लोगों के सामने भारतीयों के कथित दोहरे चरित्र के बारे में जिक्र किया है। उन्होंने यह भी कहा है कि मैं उस भारत से आता हूं, जहां हम दिन में औरतों की पूजा करते हैं और रात में गैंगरेप करते हैं। वीर के इस बयान का सोशल मीडिया पर जमकर विरोध हो रहा है। उन पर मुंबई में

FIR दर्ज की गई है। विवाद बढ़ने के बाद वीर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि उनका इरादा देश का अपमान करने का नहीं, बल्कि यह याद दिलाने का है कि भारत अपने तमाम मुद्दों के बाद भी महान है। बॉम्बे हाई कोर्ट के एडवोकेट आशुतोष जे दुबे ने कॉमेडियन के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। जिसकी एक कॉपी उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है।

राजनाथ सिंह ने दतिया में पीतांबरा पीठ के किए दर्शन, गृह मंत्री डा नरोत्तम मिश्रा ने की अगवानी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज ग्वालियर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ट्रांजिट विजिट पर आज ग्वालियर आए. इसके बाद वह हेलीकाप्टर से दतिया के लिए रवाना हो गए. ग्वा ?लियर में उनके स्वागत के लिए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं सांसद विवेक नारायण शेजवलकर सहित तमाम जनप्रतिनिधि मौजूद थे. रक्षा मंत्री ने विमानतल पर वायुसेना के अधिकारियों से भी चर्चा की है. यहां से दतिया में रक्षा मंत्री पीतांबरा पीठ के दर्शन करने पहुंचे. यहां गृह मंत्री डा नरोत्तम मिश्रा ने उनकी आगवानी की. हालांकि रक्षा मंत्री का आगवानी करने आए यूपी के श्रम मंत्री सहित तमाम भाजपा नेताओं को सुरक्षा कारणों के चलते मंदिर में नहीं जाने दिया गया. इसके चलते जनप्रतिनिधियों को बाहर से ही लौटना पड़ा. दतिया से रक्षा मंत्री झांसी जाएंगे. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

आज सुबह 10.15 बजे विशेष विमान से ग्वालियर के महाराजपुरा विमानतल पर पहुंचे. यहां पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, ग्रामीण अध्यक्ष कौशल शर्मा, जय सिंह कुशवाह, पूर्व जीडीए अध्यक्ष अभय चौधरी, बीज निगम के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, पूर्व साड़ा अध्यक्ष राकेश जादौन, दीपक शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे. यहां पर जब सांसद ने पुष्प भेंट कर रक्षा मंत्री का स्वागत किया तो उन्होंने पूछा कि आप कैसे हैं। साथ ही अन्य जनप्रतिनिधियों से भी रक्षा मंत्री ने चर्चा की है. महाराजपुरा एयरबेस पर जनप्रतिनिधियों से भेंट करने के बाद रक्षा मंत्री हेलीकॉप्टर से झांसी के लिए रवाना हो गए. शाम लगभग 4

खुल गया करतारपुर कॉरिडोर

केंद्र-राज्य के 100 अफसर और 49 श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, पसक में हुआ स्वागत

इस्लामाबाद। भारत-पाकिस्तान के बीच करतारपुर कॉरिडोर 611 दिनों के बाद बुधवार को फिर खुल गया। पहले दिन कॉरिडोर से होकर जा रहे भारतीय श्रद्धालुओं का पाकिस्तानी अधिकारियों और पाकिस्तान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने स्वागत किया। उन्होंने पहुंचे श्रद्धालुओं को दोबारा कॉरिडोर खुलने पर बधाई दी और फूल बरसाकर अभिनंदन किया। साथ ही फूलों के हार पहनाकर स्वागत किया। करतारपुर साहिब की यात्रा पर जाना के लिए भारतीय श्रद्धालु सबसे पहले निजी वाहन या फिर राज्य परिवहन के माध्यम से डेरा बाबा नानक पहुंच रहे हैं। इसके बाद ही कॉरिडोर के जरिए करतारपुर साहिब तक जा सकते हैं।

पुलिस एनकाउंटर पर पिता ने उठाए सवाल:श्रीनगर में मारे गए आमिर के पिता बोले-

बेटा मजदूर था, उस पर आतंकी का लेबल लगाकर मार डाला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज श्रीनगर

श्रीनगर के हैदरपोरा में दो दिन पहले हुए एनकाउंटर में मारे गए युवक के पिता ने सुरक्षाबल की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। वे दावा कर रहे हैं कि उनका बेटा आतंकी नहीं, बेगुनाह था। वह एक दुकान पर मजदूरी करता था। 15 नवंबर को हुए इस एनकाउंटर में 2 आतंकी और उनके 2 मददगार मारे गए थे। मारे गए आतंकी आमिर के पिता अब्दुल लतीफ मागरे ने बताया कि 2005 में मेरे भाई को आतंकियों ने मार दिया था। इसके बाद मैंने खुद एक आतंकी को पत्थर से कुचलकर अपने हाथों से मार डाला। मुझे सेना की तरफ से प्रशस्ति पत्र भी दिया गया। हमें 11 साल तक अपना घरबार छोड़कर दर-दर भटकना पड़ा।

आतंक के खिलाफ लड़ाई का इनाम मिला

अब्दुल लतीफ ने आगे कहा कि मैंने अपने बच्चों को बमुश्किल पाला, लेकिन इस सब का मतलब क्या हुआ। मेरे बेटे पर आतंक का लेबल लगाकर उसे मार दिया गया। दफनाने के लिए बेटे का शव भी नहीं दिया। आतंक के खिलाफ मेरी लड़ाई का यह इनाम मिला। मेरे घर पर आज भी पुलिस का पहरा है। कल को सुरक्षाबल मुझे भी मारकर आतंकी घोषित कर सकते हैं। कश्मीर पुलिस का कहना है कि आमिर लतीफ मागरे एक हाइब्रिड आतंकी था। ऐसे आतंकी वारदात को अंजाम देने के बाद रोजमर्रा के काम में लग जाते हैं। पुलिस को इन्हें पहचानने में काफी मुश्किल का सामना करना पड़ता है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

पुजारी ने तलवार से बहू के हाथ काटे : 6 डॉक्टर ने 9 घंटे सर्जरी कर जोड़ी दोनों कलाइयां; नसें कट गई थीं, हड्डी टूट चुकी थी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भोपाल में 6 डॉक्टर्स की टीम ने 9 घंटे सर्जरी के बाद महिला के दोनों हाथों की कटी कलाइयों को जोड़ा। 47 साल की सुनीता चतुर्वेदी उर्फ सीमा के हाथ उसके ससुर ने तलवार से काट दिए थे। विदिशा के बालाजी मंदिर इलाके की रहने वाली सीमा के हाथों की खून की नसें कट गई थीं। हड् ?डी भी टूट गई थी। दोनों हाथ कलाई के पास से लटक गए थे। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि महिला को गंभीर हालत में 11 नवंबर को अस्पताल लाया गया था। कलाई में खून पहुंचाने वाली नसों को नुकसान पहुंचा था। ऑपरेशन के बाद महिला के कलाई से लटके हाथ को बचा लिया गया। हम महिला के दोनों हाथ बचाने में सफल रहे। महिला का ससुर

चबूतरा बनाने के विवाद में ससुर ने तलवार से किए वार | डॉक्टर बोले- बारीक नसों को जोड़ना आसान नहीं था

विदिशा के बालाजी मंदिर का पुजारी है। सीमा 11 नवंबर की सुबह घर पर अकेली थी। करीब 7.30 बजे ससुर कैलाश नारायण चतुर्वेदी आया और विवाद करने लगा। वह काफी देर तक शांत नहीं हुआ तो सीमा ने उसकी शिकायत पुलिस थाने में करने की बात कही। इससे तैश में आकर कैलाश तलवार उठा लाया और सीमा पर 5-6 वार कर दिए। परिजन पहले उसे विदिशा के ही जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे, बाद में भोपाल लाया गया।

सनकी मिजाज का है ससुर

कैलाश बेहद सनकी मिजाज का है। वह बहू पर हमला करने के बाद मौके पर ही मौजूद रहा। अजय उसकी पत्नी सुनीता और बेटा संजू अपनी बुआ के साथ रहते हैं। हमले की सूचना मिली तो पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान कैलाश बार-बार यही दोहरा रहा था कि वह पुलिस से नहीं डरता। जब पुलिस आई तो वह बिना किसी विरोध के पुलिस की गाड़ी में बैठ गया। बताया गया है कि कैलाश और सुनीता का चबूतरा बनाने की बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसकी शिकायत पहले भी सुनीता ने पुलिस से की थी।

कलाई की बारीक नसों को जोड़ना आसान नहीं था

नर्मदा अस्पताल के ट्रामेंटोलोजिस्ट व स्पाइन सर्जन डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि हमले में महिला के हाथ की बारीक नसों को बहुत नुकसान हुआ था। इनको जोड़ना बहुत मुश्किल था। इस कारण सर्जरी लंबी चली। ऑपरेशन करने वाली टीम में क्रिटिकल केअर स्पेशलिस्ट डॉ. रेणु शर्मा के अलावा प्लास्टिक सर्जन डॉ. विशाल रामपुरी, वेस्कुलर सर्जन, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत यशवंते, फिजिशियन डॉ. गोपाल बाटनी और जनरल सर्जन समेत अन्य स्टाफ भी शामिल रहा। टीम की मेहनत से सुनीता के दोनों हाथ बच गए।

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्व्यर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 K M दुरी संपर्क, 8889911680,7611127324 ,7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रूपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)- (Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्दीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुविधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class , pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345,9425008604

ITDC JOB आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8435999875 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile:9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोसेंज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

ITDC VACANCIES

खबर की खबर

भोपाल: मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड को मिला गोल्ड स्कॉच अवार्ड

महिलाओ हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल कार्यक्रम और ड्राइव इन वैक्सीनेशन सेंटर के लिए मिला अवार्ड पर्यटन विभाग सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका निर्वहन करता रहेगा : प्रमुख सचिव शुक्लामप्र पर्यटन के प्रमुख सचिव और टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध निदेशक शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के महिला सुरक्षा और कोविड-19 वैक्सीनेशन अभियान में किये गए नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। यह पर्यटन विभाग के लिए सामाजिक जागरूकता की दिशा में नित नए प्रयोग करने की प्रेरणा बनेगा। शुक्ला ने यह बात मध्यप्रदेश में महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल कार्यक्रम और ड्राइव इन वैक्सीनशन सेंटर के लिए गोल्ड स्कॉच अवार्ड मिलने पर कही।

प्रमुख सचिव शुक्ला ने मंगलवार को बताया कि नई दिल्ली में आयोजित ऑनलाइन 75वें स्कॉच समिट में शनिवार को पर्यटन बोर्ड को टूरिज्म एंड कल्चर सेगमेंट में बेस्ट इनोवेटिव प्रोजेक्ट की श्रेणी में यह पुरुस्कार प्रदान किया गया। शुक्ला ने गोल्ड स्कॉच अवॉर्ड मिलने पर पर्यटन विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई एवं भविष्य में इसी तरह कार्य करने के लिए शुभकामनाएँ दी है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग इसी तरह सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका निर्वहन करता रहेगा।

महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल का विकास

शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में पर्यटन स्थलों को महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए "निर्भया योजना" में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। परियोजना का संचालन मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा किया जा रहा है। परियोजना में चरणबद्ध तरीके से आगामी 3 वर्षो में 50 पर्यटन स्थलों को 20 क्लस्टरों के रूप में विभाजित कर कार्य किया जाएगा। इसमें संबंधित हितधारकों के लिए प्रशिक्षण क्षमता निर्माण, महिलाओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता सृजन, आईईसी, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, पर्यटन स्थलों का सुरक्षा की दृष्टि से अंकेक्षण और अधिक से अधिक कार्यशील महिलाओं की उपस्थिति सुनिश्चित कर महिलाओं के लिए अनुकूल वातावरण निर्माण किया जाएगा। इसमें महिलाओं का कौशल संवर्धन और क्षमता निर्माण, महिला पर्यटकों को पर्यटन स्थलों के विषय में आवश्यक जानकारियाँ एवं सूचनाएँ उपलब्ध कराना और सहयोग प्रदान करना आदि गतिविधियां सम्मिलित है। इससे स्थानीय समुदाय के साथ महिला पर्यटकों के प्रति सुरक्षा व्यवस्था में समुदाय की सहभागिता बढ़ेगी। पर्यटक आवागमन से स्थानीय युवाओं, समुदाय, महिला स्व सहायता समूह को सीधे लाभ होगा और वे पर्यटन स्थलों की सुरक्षा और विकास के प्रति जिम्मेदार बनेंगे।

ड्राइव इन वैक्सीनेशन सेंटर

प्रमुख सचिव शुक्ला ने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान आमजन को वैक्सीनेशन के प्रति जागरूक करने और सुलभ, सुरक्षित और आरामदायक सुविधा देने की दिशा में नवाचार करते हुए भोपाल स्थित ड्राइव इन सिनेमा में ड्राइव इन वैक्सीनेशन सेंटर की शुरुआत की गई थी। स्वास्थ्य विभाग और यूनिसेफ के सहयोग से 1 मई 2021 से होटल लेक व्यू परिसर में यह वैक्सीनेशन अभियान चलाया गया था। इसमें लोग घरों से अपनी कार में बैठकर यहाँ आये और ऑनलाइन बुकिंग में निर्धारित स्लॉट में उनका कार में ही वैक्सीनशन किया गया।

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

BREAKING NEWS
खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत
PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली का सुझाव वर्क फ्रॉम होम

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि मंगलवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की बैठक में उनकी सरकार ने दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वर्क फ्रॉम होम नीति लागू करने और कुछ उद्योगों को बंद करने जैसे कदम उठाने के सुझाव दिए। शहर के प्रदूषण संकट से निपटने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को विद्यालयों को एक सप्ताह के लिए बंद करने, निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने और सरकारी कर्मचारियों के लिए घरों से ही काम करने की नीति सहित कई आपातकालीन उपायों की घोषणा की थी। राय ने पत्रकारों से कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के दल सोमवार को कई स्थान पर पहुंचे और यह देखा कि उपायों को लागू किया गया है या नहीं। उन्होंने पाया कि निर्माण कार्य रोक दिए गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को संयुक्त बैठक करने का निर्देश दिया था। मंगलवार को पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश राज्यों ने इस बैठक में हिस्सा लिया। राय ने कहा, बैठक में, दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वर्क फ्रॉम होम (डब्ल्यूएफएच) नीति लागू करने, निर्माण कार्यों पर रोक लगाने और उद्योगों को बंद करने का सुझाव दिया। अन्य राज्यों ने भी अपने विचार रखे और हम आयोग की आधिकारिक अधिसूचना का इंतजार कर रहे हैं।% उन्होंने कहा कि इसके बाद एक संयुक्त कार्रवाई योजना बनाई जा सकेगी। उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने की हिस्सेदारी को लेकर बना संशय दूर करने को कहा ताकि इसे प्रभावी तरीके से नियंत्रित किया जा सके। राय ने कहा, कल, केंद्र ने उच्चतम न्यायालय में हलफनामा दाखिल कर कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी के प्रदूषण में पराली जलाने की हिस्सेदारी चार प्रतिशत है। इसी हलफनामे में केंद्र ने उल्लेख किया कि विशेषज्ञों के साथ हुई एक बैठक में कहा गया कि प्रदूषण स्तर में इसका योगदान 35 से 40 प्रतिशत है। मैं केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से स्पष्टीकरण का अनुरोध करता हूं। एक ही हलफनामे में दो तथ्य हैं। कौन सा सही है? मंत्री ने कहा कि सही आंकड़ों के साथ ही वे प्रदूषण रोकने के लिए रणनीति बना पाएंगे।

आरबीआई गवर्नर की राय, क्रिप्टो पर चर्चा की जाए : बोले- क्रिप्टो से मेक्रोइकोनॉमिक और फाइनेंशियल स्टेबिलिटी की चिंता

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर चिंताओं के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया गवर्नर शक्तिकांत दास का बयान सामने आया है। दास ने मंगलवार को स्क्ढ्ढ कॉन्क्लेव में कहा, जब आरबीआई ये कहता है कि क्रिप्टोकरेंसी से मेक्रोइकोनॉमिक और फाइनेंशियल स्टेबिलिटी की चिंताएं हैं, तो इस मुद्दे पर गहन चर्चा की जरूरत है। टेरर फंडिंग और अन्य चिंताओं को देखते हुए केंद्र सरकार 29 नवंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ा विधेयक भी पेश कर सकती है। वर्तमान में, देश में क्रिप्टोकरेंसी के उपयोग पर कोई विशेष नियम या प्रतिबंध नहीं है। शनिवार को क्क्रू ने क्रिप्टो को लेकर वित्त मंत्रालय, आरबीआई और गृह मंत्रालय के साथ एक बैठक भी की थी।

इकोनॉमिक इंडिकेटर रिकवरी की ओर इशारा

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कोरोना महामारी की वजह से लगाए गए लॉकडाउन के हटने के बाद भारत में लगभग सभी इकोनॉमिक इंडिकेटर रिकवरी की ओर इशारा कर रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि भारत के पास महामारी के बाद तेजी से बढ़ने का पोटेंशियल है।

बैंक लाए कैपिटल मैनेजमेंट में सुधार

बैंकिंग सेक्टर के बारे में बात करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा, %इन्वेस्टमेंट साइकिल तेज होने पर बैंकों को निवेश के लिए तैयार रहना चाहिए।% दास ने बैंकों से कैपिटल मैनेजमेंट प्रोसेस में सुधार के लिए आग्रह किया। उन्होंने बताया कि आरबीआई कुछ बैंकों के मॉडल पर करीब से नजर रख रहा है। बैंकों के ग्रॉस एनपीए की जानकारी देते हुए दास ने बताया कि सितंबर 2021 में ग्रॉस एनपीए जून के लेवल से सुधरा है।

- इन्वेस्टमेंट साइकिल तेज होने पर निवेश के लिए तैयार रहे बैंक
- कैपिटल मैनेजमेंट प्रोसेस में सुधार लाए बैंक
- RBI की कुछ बैंकों के मॉडल पर करीब से नजर
- सितंबर 2021 में ग्रॉस NPA जून के लेवल से सुधरा

लिक्वीडिटी को रिबैलेंस कर रही आरबीआई

लिक्वीडिटी को लेकर दास ने कहा, %जैसे बहुत ज्यादा पानी शरीर के लिए अच्छा नहीं है, आरबीआई धीरे-धीरे लिक्वीडिटी को रिबैलेंस कर रही है। यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि लिक्विडिटी पर्याप्त मात्रा में हो, लेकिन अधिक नहीं।

स्टार्टअप के क्षेत्र में भारत टॉप परफॉर्मर

दास ने कहा कि स्टार्टअप के क्षेत्र में भारत टॉप परफॉर्मर के रूप में उभरा है। उन्होंने ग्लोबल रिकवरी के साथ एक्सपोर्ट के भी सुधरने की उम्मीद जताई है।

देश में इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ रही डिमांड सालाना आधार पर 234 फीसदी की ग्रोथ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में अप्रैल से सितंबर 2021 के दौरान सालाना आधार पर 234 फीसदी की ग्रोथ देखी गई। इसमें टाटा नेक्सन ईवी इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों की वजह से लोग इलेक्ट्रिक व्हीकल को अपना रहे हैं। वहीं, राज्य और केन्द्र सरकार की फेम-ढ्ढढ्ढ की सब्सिडी के बाद इलेक्ट्रिक कार सस्ती हुई हैं। इससे भी इनकी बिक्री में ग्रोथ देखने को मिली है।

इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में 234% की ग्रोथ

इलेक्ट्रिक कार सेल्स	H1 FY 2021/22	H1 FY 2020/21	ग्रोथ%	शेयर%
टाटा नेक्सन	3,618	1,152	214.06	57.79
MG GS EV	1,789	511	250.10	28.27
टाटा टिगोर	801	100	701	12.79
हुंडई कोना	51	101	-49.50	0.81
महिन्द्रा ई वेरिटो	2	8	-75	0.03
कुल	6,261	1,872	234.46	100

भारत में कुल PV बिक्री 1 फीसदी से भी कम

इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट अभी शुरुआती दौर में है। यह भारत में कुल PV बिक्री का 1 फीसदी से भी कम है, लेकिन इसमें डिमांड तेजी से बढ़ रही है। इस सेगमेंट में एंट्री करने वाली कुछ कंपनियां एफवाई 2022 की पहली छमाही में 6,261 यूनिट्स की बिक्री के आंकड़े को पार कर चुकी हैं, जबकि एफवाई 2021 में ईवी की कुल बिक्री 5,905 यूनिट्स ही थी।

टॉप 5 में टाटा मोटर्स की दो कारें भारत में इलेक्ट्रिक कार की बिक्री ॥1 एफवाई 2022 इस कैलेंडर ईयर की पहली छमाही, यानी अप्रैल से सितंबर 2021 में कुल ईवी बिक्री 6,261 यूनिट्स की रही है। यह अप्रैल से सितंबर 2020 के दौरान बेची गई 1,872 यूनिट्स से 234 फीसदी ज्यादा है। इस सेगमेंट में सबसे आगे टाटा मोटर्स (नेक्सन और टिगोर ईवी), MG मोटर्स, हुंडई (कोना) और महिंद्रा (वेरिटो) जैसी कंपनी शामिल हैं।

टाटा मोटर्स अपने दो मॉडल नेक्सन ईवी और टिगोर ईवी के साथ ईवी स्पेस में दबदबा बनाए हुए है। कंपनी के पास एक्सप्रेस T ईवी भी है। यह 2021 की 6 महीने की अवधि के दौरान बेचे गए 70 फीसदी से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों के बराबर है।

टाटा मोटर्स 5 साल में 10 नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी

टाटा मोटर्स ने पिछले महीने अगले 5 साल में भारत में 10 और इलेक्ट्रिक कारों को लॉन्च करने का भी खुलासा किया है। इसके लिए कंपनी ने 7,500 करोड़ रुपए का फंड जुटाया है। अगले 4 साल में कम से कम 7 कारों को लॉन्च किया जाएगा। टाटा नेक्सन ईवी इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल है। इसकी बाजार हिस्सेदारी 58 फीसदी है। अप्रैल-सितंबर 2021 से कुल बिक्री 3,618 यूनिट्स रही। यह अप्रैल-सितंबर 2020 के दौरान बेची गई।

5 सीटर सेडान टिगोर ईवी के 4 वैरिएंट

MG ZS ईवी अप्रैल-सितंबर 2021 में बेची गई 1,789 यूनिट्स के साथ नंबर 2 पर थी, पिछले साल इसी 6 महीने की अवधि के दौरान बेची गई 511 यूनिट्स की तुलना में 250 फीसदी की ग्रोथ देखी गई है। MG ZS ईवी की 29 फीसदी हिस्सेदारी है।

अप्रैल-सितंबर 2021 में 801 यूनिट्स की सेल के साथ टाटा टिगोर ईवी नंबर 3 पर थी, जो अप्रैल-सितंबर 2020 की अवधि में बेची गई 100 यूनिट्स से 701 फीसदी ज्यादा थी। 13 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ टिगोर ईवी को इस साल की शुरुआत में बेहतर बैटरी और अपडेटेड फीचर्स के साथ अपडेट किया गया है। यह 5 सीटर सेडान 4 वैरिएंट में मिलती है और इसकी कीमत 11.99-13.14 लाख रुपए है।

रकम झोंकने के बाद अब एफपीआई बिकवाली में जुटे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय बाजार पर मेहरबान होने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) अब धीरे-धीरे निवेश निकालने में जुट गए हैं। इस वर्ष दुनिया में शानदार प्रदर्शन करने वाले बाजारों में शुमार भारत से एफपीआई ने अक्टूबर की शुरुआत से निवेश निकालना शुरू कर दिया था। अक्टूबर के अंत तक उन्होंने बिकवाली तेज कर दी और हाल के कारोबारी सत्रों में बिकवाली चरम स्तर पर पहुंच गई। इस वर्ष के शुरू से अब तक एफपीआई द्वारा किया गया निवेश कम होकर 6.2 अरब डॉलर से भी नीचे रह गया है। बाजार में शेयरों के अधिक उछलने, नीतिगत स्तर पर हालात सामान्य बनाने की पहल के संकेत मिलने और बड़े सार्वजनिक आरंभिक निर्गमों (आईपीओ) की कतार के बीच उत्पन्न चिंताओं के कारण एफपीआई को बिकवाली कर मुनाफा कमाना ही बेहतर विकल्प लग रहा है। एफपीआई द्वारा भारतीय बाजार में की जा रही बिकवाली पर अवेंडस कैपिटल पब्लिक मार्केट्स अल्टरनेटिव स्ट्रैटेजीज के मुख्य कार्याधिकारी एड्रयू हॉलैंड ने कहा, %तेजी से उभरते दूसरे बाजारों की तुलना में भारतीय बाजारों का प्रदर्शन शानदार रहा है। अब यहां थोड़ी बिकवाली जरूर देखने को मिल रही है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा प्रोत्साहन उपाय वापस लिए जाने की प्रक्रिया नजदीक आने से बिकवाली और अधिक हो सकती है।

अकासा की उड़ान भरने की तैयारी

राकेश झुनझुनवाला की एयरलाइन ने 72 बोइंग 737 मैक्स जेट का ऑर्डर दिया

अगले साल डिलीवरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शेयर बाजार के बिग बुल राकेश झुनझुनवाला की अल्ट्रा लो कॉस्ट एयरलाइन अकासा एयर ने 72 बोइंग 737 मैक्स जेट का ऑर्डर दिया है। ये ऑर्डर दुबई में हो रहे एयर शो में दिया गया। इन विमानों की कुल कीमत 9 अरब डॉलर है। एयरक्राफ्ट की डिलीवरी अगले साल से शुरू होगी। अकासा एयर के ऑर्डर में 737 मैक्स फैमिली के दो वैरिएंट 737-8 और हाई-कैपेसिटी 737-8-200 शामिल हैं। कंपनी के ष्टश्वह्र विनय दुबे ने कहा, %हमारा मानना है कि नया 737 मैक्स विमान न केवल एक किफायती एयरलाइन चलाने के हमारे लक्ष्य को सपोर्ट करेगा, बल्कि एक एनवायरमेंट फ्रेंडली। उन्होंने कहा, भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते एविएशन मार्केट्स में से एक है। हम पहले से ही एयर ट्रैवल में मजबूत रिकवरी देख रहे हैं, और हम आने वाले दशकों की भी ग्रोथ देख रहे हैं।

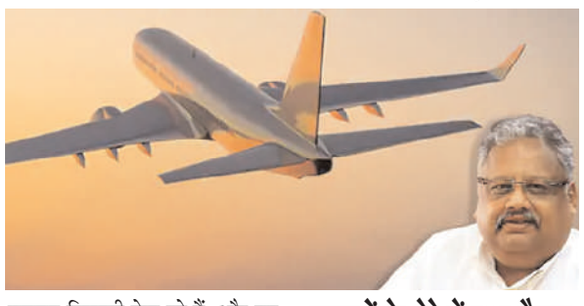

अगले साल अकासा के शुरू होने की उम्मीद

अकासा को भारत से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट मिल चुका है। अब एयरलाइन कंपनी डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (ष्ठत्ररू) के पास एयर ऑपरेटर परमिट के लिए अप्लाई करेगी। अगले साल गर्मियों में एयरलाइन के शुरू होने की उम्मीद है।

सवालों के घेरे में 737 मैक्स

737 मैक्स जेट लंबे समय से सवालों के घेरे में रहा है। 5 महीनों के भीतर दो दुर्घटनाओं के बाद मार्च 2019 में 737 मैक्स को दुनिया भर में बंद कर दिया गया था। इन दुर्घटनाओं में 346 लोगों की मौत हो गई थी। 737 मैक्स के बंद होने की वजह से बोइंग की आर्थिक स्थिति खराब हो गई थी। कोविड-19 महामारी ने इस संकट को और भी ज्यादा बढ़ा दिया।

फिच ने भारत की रेटिंग नकारात्मक परिदृश्य के साथ अपरिवर्तित रखी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

फिच रेटिंग्स ने भारत की सॉवरेन रेटिंग में कोई बदलाव न करते हुए इसे नकारात्मक परिदृश्य के साथ बीबीबी- पर कायम रखा है। फिच ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की यह रेटिंग मध्यम अवधि के वृद्धि परिदृश्य और बाह्य लचीलापन के बीच एक संतुलन को दर्शाती है। इसके अलावा कमजोर वित्तीय क्षेत्र और कुछ ढांचागत मुद्दों का भी असर है। फिच के मुताबिक, कोविड महामारी से उबरते हुए देश तेजी से आर्थिक पुनरुद्धार की राह पर है। साथ ही वित्तीय क्षेत्र से दबाव कम हो रहा है, जिससे मध्यम अवधि में वृद्धि परिदृश्य से जुड़े जोखिम कम हो रहे हैं। हालांकि, भारत की रेटिंग का नकारात्मक परिदृश्य सीमित राजकोषीय गुंजाइश को देखते हुए मध्यम अवधि के ऋण पथ को लेकर बनी अनिश्चितता को प्रदर्शित करता है। फिच ने कहा, ''हमारा पूर्वानुमान है कि इस वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 8.7 प्रतिशत के मजबूत स्तर पर रहेगी। जबकि वर्ष 2022-23 में यह 10 प्रतिशत रह सकती है। कोविड महामारी से तेजी से पुनरुद्धार में भारत की अर्थव्यवस्था की जुझारू क्षमता इसे समर्थन देती है।'' फिच का कहना है कि आवाजाही संकेतक कोविड-पूर्व स्तर पर लौट आए हैं और उच्च-आवृत्ति के संकेतक विनिर्माण क्षेत्र में मजबूती की ओर इशारा कर रहे हैं। पिछले महीने एक अन्य रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को कायम रखते हुए उसके परिदृश्य को नकारात्मक से स्थिर कर दिया था।

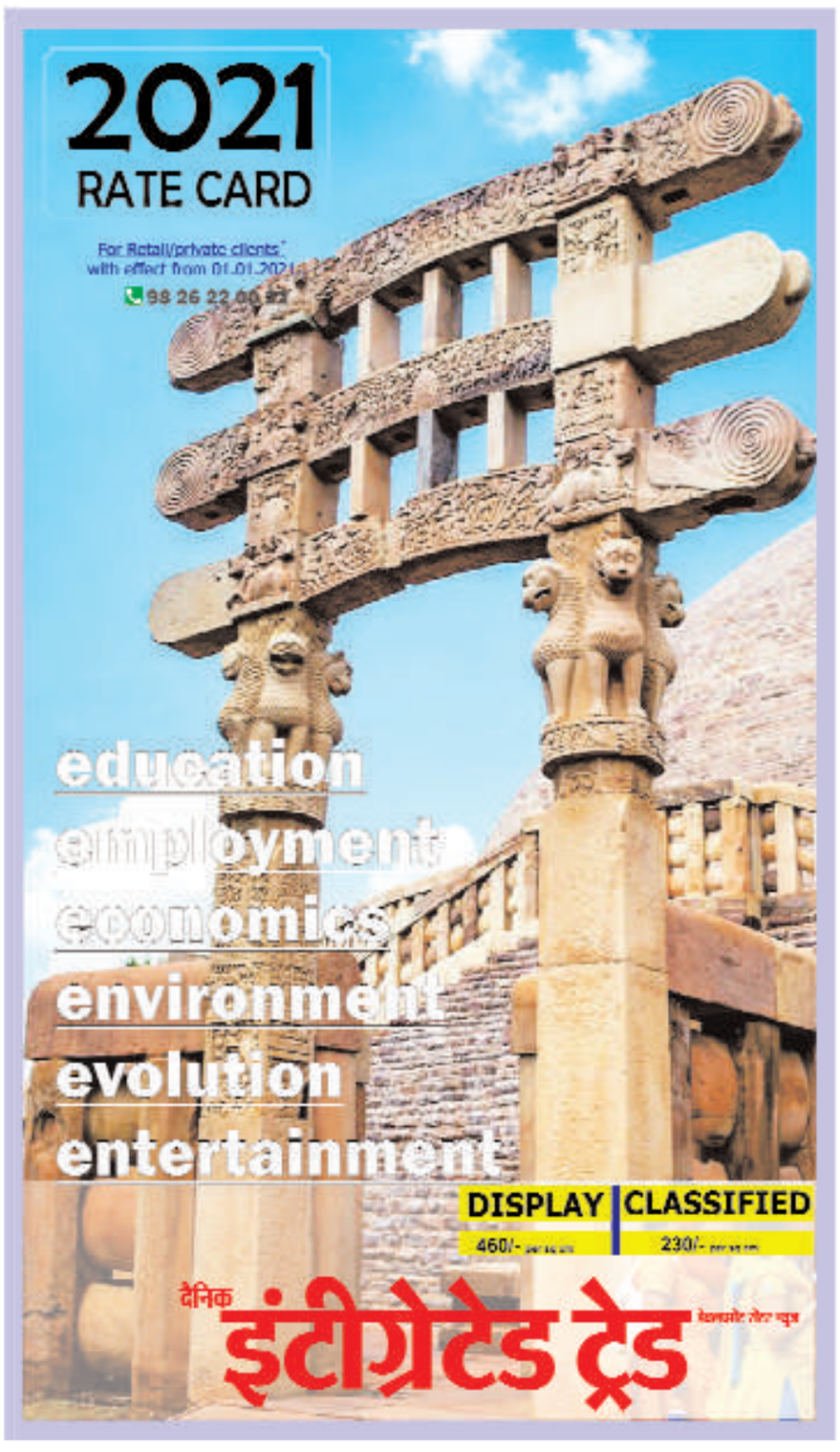

गोल्ड-सिल्वर अपडेट:साढ़े 49 हजार रुपए के पार निकला सोना, साल के आखिर तक 52 हजार तक जा सकता है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इस समय सोना-चांदी में फिर एक बार तेजी देखी जा रही है। वायदा बाजार में आज यानी 17 नवंबर को सोना साढ़े 49 हजार का लेवल पार कर गया है। शाम साढ़े 5 बजे स्ष्टङ्ग पर सोना 242 रुपए की बढ़त के साथ 49,540 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। वहीं अगर सर्राफा बाजार की बात करें तो इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (ढ्ढक्चछ्व) की वेबसाइट के अनुसार आज सर्राफा बाजार में सोना 202 रुपए महंगा होकर 49,553 रुपए पर पहुंच गया है। चांदी की बात करें तो स्ष्टङ्ग पर ये 457 रुपए की बढ़त के साथ 67,020 रुपए पर ट्रेड कर रही है। सर्राफा बाजार की बात करें तो ये 84 रुपए सस्ती होकर 66,883 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

साल के आखिर तक 52 हजार तक जा सकता है सोना:- ढ्ढढ्ढस्नरु सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि फेस्टिवल सीजन में सोने की डिमांड में तेजी आई है। इसके अलावा शादियों के सीजन में इसकी डिमांड और बढ़ेगी। इनके चलते साल के आखिर तक सोने के दाम 50 हजार रुपए पर पहुंच सकते हैं।

बनी रहेगी सोने की डिमांड

केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत होने से घरेलू बाजार में सोने के दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से करीब-करीब बेअसर रहे। अब शादियों के सीजन को देखते हुए फिजिकल सोने की डिमांड बनी रहेगी। अगले तीन माह में सोने की कीमत 50 हजार तक जा सकती है।

महाराष्ट्र हिंसाः सांप्रदायिक हिंसा रुके

बांग्लादेश में हुई घटनाओं के विरोध में त्रिपुरा में भड़की हिंसा की खबरों ने महाराष्ट्र के अमरावती समेत कई जिलों में जिस तरह से कानून व्यवस्था के लिए चुनौती खड़ी कर दी, वह बताता है कि हम सांप्रदायिक रूप से बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। सोशल मीडिया की भूमिका अक्सर ऐसी घटनाओं के असर को फैलाने का काम करती है। ऐसे में पुलिस, प्रशासन और कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। जिस तरह से बांग्लादेश की घटनाओं की प्रतिक्रिया त्रिपुरा में देखने को मिली, उसे तत्काल पूरी ताकत से नियंत्रित करने की जरूरत थी। पुलिस ने हालांकि इसकी कोशिश की और उसे काफी हद तक कामयाबी भी मिली। इस शिकायत में कुछ सचाई भी दिखती है कि त्रिपुरा हिंसा के बारे में सोशल मीडिया पर बढ़ा-चढ़ाकर दावे किए गए। कई ऐसी फर्जी तस्वीरें और फेक विडियो चलाए गए, जिनका त्रिपुरा की मौजूदा स्थिति से कोई लेना-देना नहीं था। कहीं और या काफी पहले हुई घटनाओं को त्रिपुरा की हालियां घटनाओं से जोड़कर सोशल मीडिया पर चलाया गया।

मगर यह नया चलन ही बन गया है। जब भी, कहीं ऐसी कोई घटना होती है तो उससे जुड़ी फर्जी तस्वीरें-विडियो ट्रेंड करने लगते हैं। ऐसे में पुलिस और स्थानीय प्रशासन को अपनी प्राथमिकता स्पष्ट रखनी चाहिए। अपने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना, उसे पथराव, मारपीट या अन्य किसी तरीके से भंग करने की कोशिश कर रहे लोगों को सख्ती से रोकना उनका पहला काम होना चाहिए। त्रिपुरा पुलिस ने जिस तरह से ट्विटर पर सक्रिय लोगों और पत्रकारों के खिलाफ कड़ी धाराएं लगाईं, उससे यह राय मजबूत हुई कि पुलिस सच छुपाना चाहती है और इसीलिए लोगों का मुंह बंद करने का प्रयास कर रही है। गलत सूचनाओं को निष्प्रभावी बनाने का सबसे अच्छा उपाय यह है कि सही सूचनाओं को विश्वसनीय तरीके से सामने आने दिया जाए। लेकिन त्रिपुरा हिंसा को कवर करने आई महिला पत्रकारों के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद के एक सदस्य की शिकायत पर एफआईआर जैसे कदमों ने इस प्रक्रिया को बाधित ही किया। त्रिपुरा की खबरों पर महाराष्ट्र में हुई हिंसा और ज्यादा गंभीर है।

अगर थोड़ी देर को यह दलील स्वीकार ली जाए कि रजा अकादमी को शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए इजाजत न देना लोकतांत्रिक मान्यताओं के खिलाफ होता, तो भी पुलिस को इतना अंदाजा तो होना ही चाहिए था कि शरारती तत्व मौजूदा माहौल में इन प्रदर्शनों का फायदा उठा सकते हैं। पुलिस और प्रशासन का काम हिंसा भड़काने की कोशिश में लगे लोगों का धर्म और उनकी राजनीति देखना नहीं, उन पर सख्ती से अंकुश लगाना होना चाहिए। महाराष्ट्र पुलिस इस मोर्चे पर कठिन सवालों से घिरी है। बहरहाल, कहने की जरूरत नहीं कि मौजूदा हालात में त्रिपुरा और महाराष्ट्र में हुई घटनाओं से सबक लेते हुए अन्य राज्यों को भी अपनी ओर से पूरी तैयारी रखनी चाहिए ताकि निहित स्वार्थी तत्वों को अपने मंसूबे पूरे करने का कोई मौका न मिल जाए।

संपादकीय

भाजपा का एक और शो

जिस तरह राजकपूर और सुभाष घई जैसे फिल्मकारों को हिंदी सिनेमा का शोमैन कहा जाता है, वैसे ही मोदीजी और अब योगीजी को भी भारतीय राजनीति का शोमैन कहा जा सकता है। या ये भी हो सकता है कि भाजपा का प्रचार तंत्र किसी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की तरह काम करता है। इसलिए मोदीजी के हर कार्यक्रम को एक तड़कते-भड़कते शो की तरह बना दिया जाता है, जहां केवल मंच नहीं सजते, पूरा माहौल बनाया जाता है ताकि लोगों को ये लगे कि ये सब वाकई 70 सालों में पहली बार हो रहा है। कल प्रधानमंत्री भोपाल में थे, वहां उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मनाए जा रहे जनजातीय गौरव दिवस में हिस्सा लिया। उनके कार्यक्रम के लिए बड़ी संख्या में आदिवासियों को लाने की जिम्मेदारी अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं पर थी। हालांकि सभा स्थल में खाली पड़ी कुर्सियां इस कोशिश की असफलता की गवाह थीं। भोपाल में ही कल नरेन्द्र मोदी ने हबीबगंज रेलवे स्टेशन का फिर से उद्घाटन किया, क्योंकि पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत इसे नया रूप-रंग और नया नाम दिया गया है। यानी निजी क्षेत्र की भागीदारी से इस स्टेशन का कायाकल्प किया गया है, इसे तमाम आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। और अब इस स्टेशन को गोंड रानी कमलापति के नाम से जाना जाएगा। मोदी जी के चार घंटों के भोपाल प्रवास पर करोड़ों रुपए बहाकर इसे मेगा इवेंट बनाया गया। आज यही सिलसिला उत्तरप्रदेश में जारी रहा। उप्र में आज पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया। सात साल पहले तक प्रधानमंत्री या कोई और मंत्री इस तरह के कार्यक्रम करते थे, तो यह महज एक सरकारी आयोजन होता था। जिसमें मंच की साज-सज्जा, फूल-माला और दर्शकों को लाने ले जाने, उनके भोजन का प्रबंध करने जैसे खर्च ही हुआ करते थे। मगर अब नरेन्द्र मोदी का हरेक कार्यक्रम सरकारी न होकर राजनैतिक होता है, इसे भाजपाई कार्यक्रम भी कहा जा सकता है। जिसमें सब कुछ भाजपामय होता है और भाजपा के फायदे के लिए होता है। इसलिए पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करने प्रधानमंत्री मोदी अपने नए विमान से नहीं आए, बल्कि वायुसेना के सी-130 जे हरक्यूलिस विमान से एक्सप्रेस वे की हवाई पट्टी पर उतरे। इस एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने पूरे कार्यक्रम को चुनावी सांचे में ढाल दिया। उन्होंने अपने भाषण में केंद्र सरकार के अनेक कामों का बखान किया, मुख्यमंत्री योगी को कर्मयोगी बताते हुए उनके काम की भी खूब तारीफ की। और इसके साथ ही पिछली सरकारों को कोसने से भी मोदीजी नहीं चूके। आखिर भाजपा की चुनावी रणनीति दूसरों की लकीर मिटाने की ही है। मोदीजी ने ये तक कह दिया कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मेरे साथ खड़े रहने से डरते थे। मेरा स्वागत करके वो गायब हो जाते थे क्योंकि उन्हें शर्म आती थी कि उनके पास काम के रूप में दिखाने को कुछ नहीं है। अखिलेश यादव की इस तरह सरेआम निंदा करने का मतलब है कि भाजपा उन्हें अपने सबसे बड़े प्रतियोगी के रूप में देख रही है। 20 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सौगात देकर विकास के नाम पर पूर्वांचल की सियासी बिसात पर पांसा चला था, अब पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे इसी कड़ी में दूसरा बड़ा दांव माना जा रहा है। पूर्वांचल उप्र की सियासत में खास इसलिए है क्योंकि यहां जिस दल का दबदबा कायम हो जाता है, राज्य में सत्ता उसकी हो जाती है। मुलायम सिंह यादव, मायावती और आदित्यनाथ योगी तीनों ने पूर्वांचल के इस महत्व का अनुभव किया है। इस बार भाजपा के सामने एंटी इनकमबेंसी का खतरा है, इसलिए भाजपा चुनाव से पहले सारे पैंतरे आजमा लेना चाहती है। धर्म और विकास दोनों को अपने सत्ता के रथ में जोतना चाहती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। सुलतानपुर के करवल खेड़ी में सामने आई इस तस्वीर से समझा जा सकता है कि चुनाव प्रचार में भाजपा एक तरफ धर्म के मुद्दे पर भी खुलकर खेलेगी, दूसरी तरफ विकास के दावे भी करेगी। वैसे 22 हजार 497 करोड़ रुपये की लागत से इस 341 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस-वे को लेकर भाजपा का दावा है कि यह रिकार्ड वक्त में बना है। 2018 में इसका शिलान्यास हुआ था और अब उद्घाटन हो रहा है। पूर्वी और पश्चिमी उप्र को जोड़ने वाले इस रास्ते को शुरु तो कर दिया गया है, मगर अभी यहां रास्ते में न पेट्रोल पंप है, न शौचालय की सुविधा है, न खाने-पीने की जगह। सरकार का कहना है कि ये सब जल्द शुरु हो जाएगा। अगर इन सुविधाओं में वक्त था, तो फिर एक्सप्रेस वे के उद्घाटन की हड़बड़ी क्यों की गई। इस रास्ते पर टोल कितना लगेगा, ये भी तय नहीं है। कुछ दिन यह सफर मुफ्त रहेगा। लेकिन बाद में टोल टैक्स वसूलने का काम निजी कंपनी को दिया जाएगा और तब यह सफर कितना महंगा पड़ेगा, यह समझ आएगा।

पेट्रोल वाहनों पर कार्बन टैक्स लगाइए

कई राज्य सरकारों द्वारा भी अलग-अलग दर से बिजली की कार पर सब्सिडी दे रही है। विषय है कि बिजली की कार को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी दी जाए अथवा पेट्रोल वाहनों पर अतिरिक्त टैक्स आरोपित किया जाए। यदि हम बिजली वाहन पर सब्सिडी देते हैं तो उसका दाम कम होता है और पेट्रोल की तुलना में बिजली की कार खरीदना लाभप्रद हो जाता है। यही कार्य पेट्रोल कार पर टैक्स लगाकर हासिल किया जा सकता है।

ग्लासगो में चल रहे सीओपी-26 पर्यावरण सम्मेलन में भारतीय वाहन निर्माताओं ने कहा है कि 2030 तक भारत में 70 प्रतिशत दोपहिया, 30 प्रतिशत कार और 15 प्रतिशत ट्रकें बिजली से चलने वाली होंगी। यह सुखद सूचना है। लेकिन दुनिया की चाल को देखते हुए हम फिर भी पीछे ही हैं। नॉर्वे ने निर्णय किया है कि 2025 के बाद उनकी सड़कों पर एक भी पेट्रोल या डीजल का वाहन नहीं चलेगा। डेनमार्क और नीदरलैंड ने यही निर्णय 2030 से एवं इंग्लैंड और अमेरिका के राज्य कैलिफोर्निया ने यही निर्णय 2035 से लागू करने की घोषणा की है। चीन में इस वर्ष की पहली तिमाही में 5 लाख बिजली के वाहन बिके हैं और यूरोप में 4.5 लाख। भारत अभी इस दौड़ में बहुत पीछे है और पहली तिमाही में हम केवल 70,000 बिजली के वाहन बेच सके हैं।

बिजली से चलने वाले वाहन आर्थिक एवं पर्यावरण—दोनों दृष्टि से लाभप्रद हैं। पेट्रोल से चलने वाले वाहन ईंधन की केवल 25 प्रतिशत ऊर्जा का ही उपयोग कर पाते हैं। शेष 75 प्रतिशत ऊर्जा इंजन को गर्म रखने अथवा बिना जले हुए कार्बन यानी धुंए के रूप में साइलेंसर से बाहर निकल जाती है। इसकी तुलना में बिजली के वाहन ज्यादा कुशल है। यदि उसी तेल से पहले बिजली बनाई जाए तो बिजली संयंत्र में तेल की लगभग 15 प्रतिशत ऊर्जा क्षय होती है। फिर इस बिजली को कार तक पहुंचाने में 5 प्रतिशत का क्षय होता है और कार स्वयं में बिजली से गाड़ी को चलाने में लगभग 20 प्रतिशत ऊर्जा का क्षय होता है। कुल 40 प्रतिशत ऊर्जा का क्षय होता है

और बिजली की कार के माध्यम से हम तेल में निहित 60 प्रतिशत ऊर्जा का उपयोग कर पाते हैं। अतः पेट्रोल से चलने वाली कार जहां 25 प्रतिशत ऊर्जा का उपयोग करती है, वहीं बिजली से चलने वाली कार 60 प्रतिशत ऊर्जा का उपयोग करती है। अथवा यूं समझें कि उतने ही तेल से बिजली की कर सी आप दूनी दूरी को तय कर सकते है। इसलिए बिजली के वाहन पर्यावरण के लिए सुखद हैं।

आर्थिक दृष्टि से भी ये लाभदायक हैं। आने वाले समय में बिजली के वाहन सस्ते हो जायेंगे। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के एक अध्ययन के अनुसार 2019 में पेट्रोल की कार का मूल्य 24,000 अमेरिकी डॉलर था जो कि 2025 में बढ़कर 26,000 डॉलर हो जाने का अनुमान है। इसके विपरीत 2019 में समतुल्य बिजली की कार का मूल्य 50,000 डॉलर था जोकि 2025 में घटकर मात्र 18,000 डॉलर हो जायेगा। अतः आने वाले समय में पेट्रोल की कार की तुलना में बिजली की कार सस्ती होगी।

केंद्र सरकार बिजली वाहन को प्रोत्साहन देने के लिए लगभग 15,000 रुपए की सब्सिडी देती है। कई राज्य सरकारों द्वारा भी अलग-अलग दर से बिजली की कार पर सब्सिडी दे रही है। विषय है कि बिजली की कार को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी दी जाए अथवा पेट्रोल वाहनों पर अतिरिक्त टैक्स आरोपित किया जाए। यदि हम बिजली वाहन पर सब्सिडी देते हैं तो उसका दाम कम होता है और पेट्रोल की तुलना में बिजली की कार खरीदना लाभप्रद हो जाता है। यही कार्य पेट्रोल कार पर टैक्स लगाकर हासिल किया जा सकता है। पेट्रोल वाहनों पर कार्बन टैक्स लगा दिया जाए तो पेट्रोल वाहन महंगे हो जाएंगे और पुनः उनकी तुलना में बिजली के वाहन सस्ते हो जाएंगे। दोनों नीतियों में अंतर यह है कि जब हम बिजली के वाहन पर सब्सिडी देते हैं तो सब्सिडी में दी गई रकम को हम जनता से किन्हीं अन्य स्थानों पर टैक्स के रूप में वसूल करते हैं।

जैसे यदि बिजली की कार पर 15,000 रुपए की सब्सिडी दी गई तो देश के हर नागरिक को कपड़े पर 1 पैसा प्रति मीटर अधिक टैक्स देना पड़ सकता है। नतीजा हुआ कि बिजली की कार चलाने वाले को सब्सिडी मिलती है और उसका भार आम आदमी पर पड़ता है। इसके विपरीत यदि हम पेट्रोल की कार पर टैक्स लगाएं और पेट्रोल वाहन को महंगा करें तो टैक्स का भार सीधे उस व्यक्ति पर पड़ेगा जो पेट्रोल वाहन को चलाता है। जो व्यक्ति बिजली की कार चलाएगा उसे अतिरिक्त टैक्स नहीं देना होगा। इस प्रकार सब्सिडी के माध्यम से बिजली वाहन को प्रोत्साहन देने का भार आम आदमी पर पड़ता है जबकि कार्बन टैक्स के माध्यम से वही भार पेट्रोल कार का उपयोग करने वाले पर पड़ता है। मैं समझता हूं कि जो लोग पेट्रोल कार का उपयोग करते हैं उन्हीं पर यह भार पड़ना चाहिए। उनके द्वारा किये जाने वाले पेट्रोल की कार द्वारा किये गए पर्यावरण के नुकसान का भार आम आदमी पर नहीं डालना चाहिए। इसलिए सरकार को सब्सिडी के स्थान पर पेट्रोल वाहनों पर कार्बन टैक्स लगाने की पॉलिसी अपनानी चाहिए।

दूसरा काम सरकार को बिजली वाहनों को चार्ज करने के लिए बिजली स्टेशन बड़ी संख्या में बनाने चाहिए जिससे कि बिजली की कार खरीदने वाले के लिए यात्रा सुलभ हो जाए। तब अपने देश में खरीदार का रुझान बिजली की कार की तरफ आसानी से मुड़ेगा।

तीसरा कार्य सरकार को बिजली के मूल्यों में दिन और रात में बदलाव करना चाहिए। यह नीति सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी और बिजली की कार के लिए विशेष रूप से। सामान्य रूप से दिन में बिजली की मांग अधिक और रात में कम होती है। इस कारण अकसर थर्मल बिजली संयंत्रों को रात्रि के समय अपने को बैकडाउन करना पड़ता है। यानी कि उस समय वे अपनी क्षमता का 60 प्रतिशत बिजली उत्पादन करते हैं। इससे बिजली के मूल्य में वृद्धि होती है। यदि बिजली का दाम दिन में बढ़ाकर रात में कम कर दिया जाए तो बिजली की कार के मालिकों समेत कारखानों के लिए लाभप्रद हो जाएगा कि वह रात्रि के समय अपनी कार को चार्ज करें और कारखाने चलायें। गृहणी रात में वाशिंग मशीन से कपड़े धोएंगी।

गृह स्वामी रात के समय ट्यूबवेल चला कर पानी की टंकी भरेगा। तब रात्रि में बिजली की मांग बढ़ेगी जिससे कि थर्मल पावर स्टेशन को बैकडाउन नहीं करना पड़ेगा और बिजली के दाम में कमी आयेगी। ऐसे बिजली के मीटर उपलब्ध हैं और दूसरे देशों में उपयोग में हैं जो समय के अनुसार, बिजली की खपत का रिकॉर्ड रख लेते हैं। सुझाव है कि केवल सब्सिडी देने से बिजली की कार का उपयोग देश में नहीं बढ़ेगा। हम चीन, यूरोप और कैलिफ़ोर्निया से पीछे ही रहेंगे। अतः उपरोक्त नीतियों को सरकार को लागू करने पर विचार करना चाहिए।

सांप्रदायिक द्यूतशालाओं के ये दांवबाज

चुनाव से पहले विपक्षी पार्टियां सरकारों पर विकास न करने और कानून-व्यवस्था ठीक नहीं कर पाने के शब्दबाण चलाती हैं लेकिन जैसे ही चुनाव का बिगुल बजता है, विकास के मुद्दे, मुद्दे ही नहीं रह जाते। कानून व्यवस्था भी उतना ज्वलंत विषय नहीं रहती है। मुद्दा बनती है सांप्रदायिकता। इसके फड़ जगह-जगह खुल जाते हैं। वोटर भी दांव-पेंच के इस खेल में पूरी रुचि के साथ शामिल हो जाता है। उत्तर प्रदेश चुनावी राजनीति की ओर सरपट भाग रहा है। शहरों की सड़कों-चौराहों से लेकर गांवों के खेतों-खलिहानों तक जिसे देखो, चुनाव के दांव-पेंच का मास्टरमाइंड सरीखा दिखता है। सबकी अपनी-अपनी सोच और विचारधारा है, मुद्दे हैं और विकास हुआ है या नहीं, इसे तय करने के पैमाने हैं लेकिन इन सब पर भारी दिखती है सांप्रदायिक सोच। आम आदमी का इससे कभी कोई फायदा नहीं होता है, लेकिन राजनीतिक लोग इसका हमेशा फायदा उठाते हैं और इसीलिए सांप्रदायिकता की द्यूतशालाएं चलाई जाती हैं। महाभारत काल की एक अकेली द्यूतशाला ने उस कालखंड के साम्राज्य नेस्तनाबूद कर दिए थे। यह जानते हुए भी उत्तर प्रदेश में कुछ वैसी ही द्यूतशालाएं चलाई जा रही हैं, जहां छल है, कपट है, निष्ठुरता है, अनैतिकता है। यह प्रयोग एकतरफा नहीं, बहुदिशात्मक है। किसी एक को दोष देना नादानी कही जा सकती है। द्यूतशालाओं में बाज़ी लगाने को हर कोई बेताब दिख रहा है। तीन दशक पहले तक भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया जाता रहा है कि वह सांप्रदायिकता फैलाती है, उसका सहारा लेती है। कांग्रेस ही आरोप लगाती थी और इन आरोपों का भरपूर फायदा उठाती थी लेकिन इधर दो दशकों से ऐसे आरोप उन सभी पार्टियों पर लगने लगे हैं जो उत्तर प्रदेश में राजनीति कर रही हैं। चुनाव से पहले विपक्षी पार्टियां सरकारों पर विकास न करने और कानून-व्यवस्था ठीक नहीं कर पाने के शब्दबाण चलाती हैं लेकिन जैसे ही चुनाव का बिगुल बजता है, विकास के मुद्दे, मुद्दे ही नहीं रह जाते। कानून व्यवस्था भी उतना ज्वलंत विषय नहीं रहती है। मुद्दा बनती है सांप्रदायिकता। इसके फड़ जगह-जगह खुल जाते हैं। वोटर भी दांव-पेंच के इस खेल में पूरी रुचि के साथ शामिल हो जाता है।

राजनीतिक लोग अपने खेल को इतनी सावधानी से खेलते हैं कि न चाहते हुए भी वोटर उसका हिस्सा बन ही जाता है। चुनाव के दरम्यान नई किताबें छपती हैं। हिंदू और हिंदुत्व की नई-नई व्याख्याएं-परिभाषाएं गढ़ी जाने लगती हैं।

अचानक जिन्ना, नेहरू और सरदार पटेल जिंदा हो उठते हैं। आजादी का वीरगाथाकाल हवा में उछाल दिया जाता है। फिर बारी आती है द्यूतशालाओं के दांवबाजों की, जो टीवी चैनलों पर बहसें चलवाते हैं। महंगाई का मुद्दा अचानक ठंडा पड़ जाता है। किसानों का आंदोलन अर्थहीन होता दिखाई पड़ने लगता है। ये दांवबाज किसी फिल्मी हीरोइन की यूं ही या फिर जानबूझकर कही गई बातों को महामुद्दे की तरह पेश करते हैं। फिर बहसबाजी होती है और बहस के बहाने एक पक्ष उसके चरित्रहनन की खुली छूट पा जाता है। कभी-कभी ऐसा लगने लगता है जैसे सब कुछ किसी सोची-समझी स्क्रिप्ट का हिस्सा हो। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने इन दिनों जिन्ना का मुद्दा इसलिए नहीं छेड़ा कि वह कोई इतिहास लिखने जा रहे हैं। छेड़ा इसलिए है कि हैदराबादी ओवैसी के आने के उन्हें अपना वोटबैंक छितराता दिख रहा है। वह उसे समेटने की कोशिश में जिन्ना राग अलापने से चूक नहीं रहे हैं। इसका परिणाम वह अपने पक्ष में चाहते हैं लेकिन उनकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी अकेले उन्हें कैसे फायदा उठाने देगी। उसने टीवी चैनलों पर बाकायदा इसका बाजार लगा दिया। बहस पर बहस, इतिहास दर इतिहास की दुकानें चलने लगीं। इतना बड़ा राजनीतिक दांव लगाया गया हो और उसमें कांग्रेस न कूदे, भला यह कैसे हो सकता है। देश की सबसे पुरानी पार्टी के नेता सलमान खुर्शीद अपनी किताब खोलकर बैठ गए हैं। किताब की चर्चा एकतरफा कैसे हो। उस पार्टी के पूर्व और भावी अध्यक्ष राहुल गांधी को इस द्वंद्व के बीच आना ही था। इसलिए वह हिंदू और हिंदुत्व की अपनी परिभाषा और व्याख्या करने लग गए। पूरे घटनाक्रम के बीच उनको इस बात से मतलब नहीं कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में क्या कर रही है? उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा अकेले कितना संभाल पा रही हैं। वह इस समय भी उत्तर प्रदेश के दौरे नहीं कर रहे हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह जैसे दिग्गज नेताओं के जगह-जगह कार्यक्रम लगाए जा रहे हैं लेकिन हिंदू और हिंदुत्व का ज्ञान बांटने में जरूर लगे हैं। पिछले कुछ सालों के अनेक मौके गवाह हैं कि ऐसे मुद्दों पर वह अभिमन्यु की तरह घिर जाते हैं, बावजूद इसके वह ऐसी बातें करने से खुद को रोक नहीं पाते हैं। भारतीय जनता पार्टी और उसके नेता उनको न घेरें तो क्या करें? यानी सारा खेल उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा से हटकर सांप्रदायिकता फैलाने और उसके जरिए फायदा उठाने की ओर मुड़ चुका है। पहले के चुनावों में भी यही होता रहा है। विकास के मुद्दे चुनावी बैलगाड़ी में उसके इधर-उधर के डंडों जैसे हो जाया करते हैं। धुरी तो सांप्रदायिकता ही बनती है, जिस पर बैलगाड़ी चला करती है। आने वाले चुनाव में भी यही सब शुरू हो चुका है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की विपक्षी पार्टियां चाहे कांग्रेस हो, सपा हो, बसपा हो या फिर एआईएमआईएम हो, सांप्रदायिक धुव्रीकरण का आरोप तो भाजपा पर लगाती हैं लेकिन शुरुआत खुद करती हैं। आग लगाती हैं, उसमें घी डालती हैं और उसका फायदा उठाने की कोशिश करती हैं। अबकी बार समाजवादी पार्टी पिछड़ों का मुद्दा छोड़कर मुस्लिमों को अपने से जोड़े रखने में पूरा जोर लगा रही है। उसने यह रणनीति इसलिए बनाई है कि मुस्लिमों को अपना वोट बैंक समझने वाली इस पार्टी को लगने लगा है कि इसमें कांग्रेस और एआईएमआईएम भी इसमें गंभीर भागीदार के रूप में उभरी हैं। और इसकी काट भाजपा पर तरह-तरह से हमला ही है।

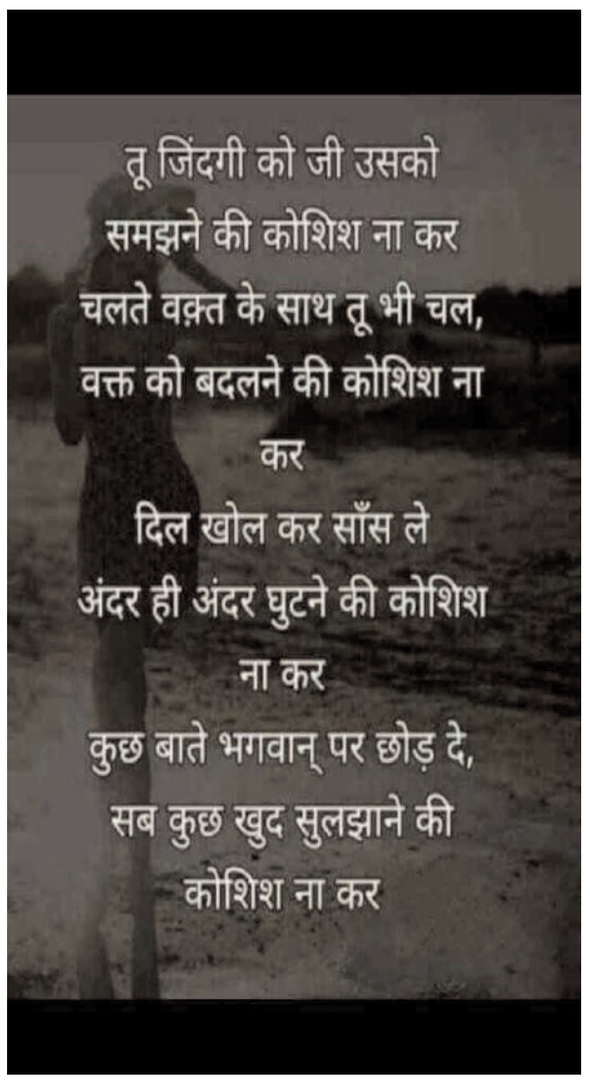

नॉनवेज लवर्स जरूर ट्राई करें हारियाली चिकन टिक्का की ये रेसिपी, स्वाद ऐसा भूल नहीं पाएंगे आप

मौसम और मौका जो भी हो नॉनवेज पसंद करने वालों को चिकन पार्टी करने का बस बहाना चाहिए होता है। अगर आप भी चिकन लवर्स है तो आज की रेसिपी खास आपके लिए ही है। जी हां, और इस खास रेसिपी का नाम है हारियाली चिकन टिक्का। यह रेसिपी खाने में इतनी टेस्टी होती है कि आप इसे घर पर होने वाली किसी भी पार्टी के मेन्यू में आसानी से शामिल कर सकती हैं। खास बात यह कि इसे बनाने में भी ज्यादा समय नहीं लगता है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाया जाता है हरियाली चिकन टिक्का।

हरियाली चिकन टिक्का बनाने के लिए सामग्री

- चिकन-500 ग्राम
- धनिया पत्ता-2 चम्मच
- पुदीना के पत्ते-2 चम्मच
- हरी मीर्च-2
- अदरक-लहसुन-2 इंच बड़ा चम्मच
- दही-1/2 कप
- नमक-स्वादानुसार
- तेल-2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर-1/2 चम्मच
- अमचूर पाउडर -1/2 चम्मच
- गरम मसाला-1/3 चम्मच
- दही-2 चम्मच
- नींबू रस-1 चम्मच

इसके बाद इस पेस्ट को किसी बर्तन में निकालकर इस पेस्ट में दही के साथ अन्य सभी मसाले को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। सभी सामग्री मिक्स करने के बाद लगभग 5 मिनट के लिए अलग रख दें।

हरियाली चिकन टिक्का बनाने के लिए सबसे पहले आप हरा धनिया पत्ता, अदरक-लहसुन, पुदीना पत्ता और हरी मिर्च को मिक्सर में डालकर अच्छे से उसका पेस्ट बना लें। इसके बाद इस पेस्ट को किसी बर्तन में निकालकर इस पेस्ट में दही के साथ अन्य सभी मसाले को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। सभी सामग्री मिक्स करने के बाद लगभग 5 मिनट के लिए अलग रख दें। 5 मिनट बाद इसमें चिकन को डालें और चिकन को कोट कर लें। चिकन पर मसाला कोट करने के बाद लगभग 15 मिनट के ऐसे ही छोड़ दें। अब इसे तंदूर पर अच्छे से सेंक लें। आप चाहें तो पैन में बटर गरम करके चिकन को रोस्ट भी कर सकते हैं।चिकन रोस्ट करने के बाद ऊपर में धनिया पत्ता और नींबू रस डालकर सर्व कर सकती हैं।

वेट लॉस और आंखों के लिए फायदेमंद है हरी प्याज, जानें डाइट में शामिल करने के कारण

चाउमीन, मनचूरियन में अक्सर आपने हरी प्याज को देखा होगा। इसका स्वाद बेहद ही स्वादिष्ट लगता है। आप भी घर में अक्सर हरी प्याज की सब्जी बनाती होंगी या फिर किसी चायनीज डिश को गार्निश करने के लिए इस्तेमाल करती होंगी। रोजाना में खाई जाने वाली प्याज की तुलना में इसका स्वाद थोड़ा हल्का होता है। हालांकि, ये न केवल स्वाद में अच्छी होती हैं बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होती हैं। हरी प्याज को आप अपनी रोजाना की डाइट में शामिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं रोजाना की डाइट में हरी प्याज को शामिल करने के फायदे।

इसके बाद इस पेस्ट को किसी बर्तन में निकालकर इस पेस्ट में दही के साथ अन्य सभी मसाले को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। सभी सामग्री मिक्स करने के बाद लगभग 5 मिनट के लिए अलग रख दें।

1) कैंसर के खतरे को कम

हरी प्याज सल्फर का एक स्रोत है जो आपके शरीर के लिए फायदेमंद है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कैंसर खतरे को कम करता है। इसके अलावा, यह कैंसर से लड़ता है क्योंकि इसमें एलिल सल्फाइड और फ्लेवोनोइड जैसे कंपाउंड होते हैं जो कैंसर कोशिका पैदा करने वाले एंजाइमों से लड़ते हैं। कैंसर के खतरे से बचने के लिए अपने आहार में हरी प्याज को शामिल कर सकते हैं।

2) मैंटेन ब्लड शुगर लेवल

अगर आपको हाई ब्लड प्रेशर की परेशानी है तो हरी प्याज में मौजूद सल्फर कंपाउंड आपकी मदद कर सकता है। यदि आप अपने ब्लड शुगर लेवल के स्तर को नियंत्रित करना चाहते हैं तो यह एक इंपोर्टेंट इंग्रेडिएंट है क्योंकि हरी प्याज इंसुलिन के स्तर को बढ़ाता है जो ब्लड शुगर लेवल को शरीर की कोशिकाओं तक पहुंचाने के लिए आवश्यक है।

3) आंखों के लिए अच्छा होता है

हरी प्याज में ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन जैसे कैरोटेनॉयड्स होते हैं जो हमारी आंखों की सुरक्षा करते हैं। यह आंखों के लिए भी एक अच्छा विकल्प है क्योंकि इसमें विटामिन ए होता है जो आपकी आंखों को स्वस्थ रखने और सामान्य रोशनी बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है।

4) वेट लॉस

हरी प्याज पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। साथ ही इसमें कैलोरी और फैट का स्तर बहुत कम होता है। यह निश्चित रूप से वजन घटाने में आपकी मदद कर सकता है। इसके अलावा इसमें फाइबर होता है जो वास्तव में आपके शरीर के लिए स्वस्थ होता है और वजन घटाने को बढ़ावा देता है।

वजन कम करने के लिए पीते हैं शहद का पानी

कई लोग ऐसे हैं जो अपनी सुबह की शुरूआत शहद के पानी से करते हैं। हालांकि शहद का पानी इसलिए पीते हैं ताकि अनचाहे वजन को कम किया जा सके। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शहद का पानी बहुत कुछ कर सकता है? शहद में एंटी इंफ्लामेटरी, औषधीय और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो विभिन्न बीमारियों को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा शहद पाचन में मदद करता है। साथ ही लिवर को भी साफ करता है, दिल की बीमारियों को रोक सकता है, और वजन घटाने में मदद करता है। इसके अलावा भी शहद के जादुई फायदे हैं। तो चलिए जानते हैं।

पाचन में सुधार

शहद का पानी ब्लोटिंग को कम करता है और आपके पाचन में सुधार करता है। यह हमारे शरीर में मौजूद हानिकारक केमिकल्स की मात्रा को कम करता है जो ब्लोटिंग और गैस के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को भी बढ़ावा देता है।

हृदय रोग

शहद के पानी का सेवन शरीर में ब्लड क्लोटिंग को बनने से रोकता है । अगर आप ब्लड प्रेशर, हाइपरटेंशन और कोलेस्ट्रॉल को कम करना चाहते हैं, तो अपने दिन की शुरुआत शहद का पानी पीने से कर सकते हैं।

बूस्ट इम्यूनिटी

शहद एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है जो हमारी इम्यूनिटी को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि एक गिलास गर्म शहद का पानी पीने से सामान्य सर्दी, बुखार और खांसी से बचा जा सकता है।

स्किन

डिहाईड्रेशन के कारण आपकी स्किन सुस्त और ड्राई हो जाती है। ऐसे में सुबह पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से आपकी स्किन दिन भर तरोताजा और कोमल दिखेगी।

टॉक्सिन

खाली पेट एक गिलास गर्म शहद का पानी पीना आपके शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने का सबसे अच्छा तरीका है।

लहसुन के तड़के वाली रसीली बैंगन-आलू की सब्जी, चावल और सलाद के साथ आएगा पूरा मजा

लहसुन के तड़के वाली रसीली बैंगन-आलू की सब्जी, चावल और सलाद के साथ आएगा पूरा मजा

बैंगन-आलू हर घर में बनने वाली कॉमन सब्जी है। कई लोग इसे सूखा बनाते हैं और कई लोग रसेदार। अगर आपका झटपट कुछ बनाने का मन है या आप घर से बाहर रहते हैं तो आलू-बैंगन की सब्जी और चावल एक टेस्टी कॉम्बो है। ये सब्जी बनाना बेहद आसान है। इसमें मेन इनग्रीडिएंट हैं आलू, बैंगन और टमाटर। आपको लहसुन का फ्लेवर पसंद है तो इसमें अलग से तड़का दे सकते हैं। सब्जी पराठे के साथ भी लाजवाब स्वाद देती है।

सामग्री

आलू, बैंगन, टमाटर, प्याज, लहसुन, अदरक, हरी मिर्च, हरा धनिया, नींबू, मटर (ऑप्शनल), हींग, जीरा, सौंफ, गरम मसाला, राई, नमक, लाल मिर्च।

विधि

सबसे पहले आलू और बैंगन को काटकर पानी में डाल लें। अब प्याज और मिर्च को चॉपर से बारीक काट लें। आप इसको ग्राइंडर में चला सकते हैं या चाकू से बारीक काट भी सकते हैं। अब एक पैन या कढ़ाही में तेल गरम करें। इसमें हींग, जीरा, राई और सौंफ डालें। मसाले चटक जाएं तो प्याज और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें। मसाले भुन जाएं तो टमाटर प्यूरी ऐड करें। अब हल्दी, नमक, मिर्च, गरम मसाला डालें। जब तेल अलग होने लगे तो इसमें कटे हुए बैंगन और आलू डालें। पानी डालकर मीडियम आंच पर सब्जियां गलने रख दें। सब्जी पक जाए तो गैस बंद कर दें। अगर अलग से लहसुन का फ्लेवर चाहिए तो एक चमचे में घी गरम करें, इसमें सूखी लाल मिर्च और लहसुनक की कलियां डालकर तड़का बनाएं और ऊपर से डाल लें।

आसान तरीका

दूसरा तरीका थोड़ा आसान है। अगर आप बाहर रहते हैं और मिक्सर, ग्राइंडर नहीं है तो प्याज, लहसुन, अदरक को बारीक काट लें। कढ़ाई की जगह कुकर में इसी तरह से सब्जी बनाएं। मटर भी डालें और सीटी लगा लें। सब्जी जल्दी बन जाएगी।

सॉफ्ट स्किन के लिए नहाने के पानी में मिलाएं ये चीजे, किचन में मौजूद होता है ये सामान

स्किन का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। इन दिनों हर कोई फिर से अपनी लाइफ में इतना व्यस्त हो गाय है कि खुद को समय देना भूल गए हैं, लोगों को अपनी स्किन केयर रूटीन को भी फॉलो करने का समय नहीं मिल रहा है। ऐसे में सुबह रोजाना तो हर कोई नहाता है, इसी नहाने के समय में आप खुद की स्किन के लिए समय निकाल सकते हैं। सुबह का नहान उतना रिलेक्सिंग नहीं होता है लेकिन आप पूरे दिन में खुद को देने के लिए ये अच्छा समय है। सुबह से समय का रिलेक्सिंग बाथ आपको पूरे दिन एक्टिव रहने में मदद करेगा साथ ही आप पूरे दिन फ्रेश भी फील करेंगे। अच्छे रिलेक्सिंग बाथ के लिए आप अपने नहाने के पानी में घर में मौजूद कुछ इंग्रीडियंट्स मिला सकते हैं। तो चलिए जानते हैं उन इनग्रेडिएंड के बारे में।

1) ऑलिव ऑयल

नहाने के पानी में ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें एंटी-एजिंग गुण और विटामिन ई और की भरपूर मात्रा होती है। ये त्वचा के कोलेजन को बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही स्किन को सॉफ्ट बनाता है। स्किन को हाईड्रेट करने के लिए पानी में 5 बड़े चम्मच ऑलिव ऑयल मिला सकते हैं।

2) शहद

शहद आपती स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। ये प्राकृतिक स्वीटनर आपकी स्किन के छिद्रों को साफ करता है और आपके शरीर को तेजी से मॉइस्चराइज करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण आपके शरीर को डिटॉक्स भी करने में मददगार होते हैं। नहाने के पानी में एक कप शहद मिला सकते हैं। इससे नहाने के बाद आप दोबारा साफ पानी से शॉवर जरूर लें।

3) दूध

दूध से नहाने से डेड स्किव कोशिकाओं को हटाने, सनबर्न को शांत करने में मदद मिलती है और साथ ही ये आपको एक चमकदार स्किन देने में मदद करता है। खूबसूरत स्किन के लिए आप अपने नहाने के पानी में 1 कप दूध मिला सकती हैं ।

4) दालचीनी

नहाने के पानी में डलने वाले इंग्रेडिएंट में ये अजीब हो सकता है। इसका नाम सुनकर कई लोग चौंक सकते हैं लेकिन बता दें कि नहाने के पानी में आप दालचीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये न केवल आपको सॉफ्ट स्किन देने में मदद करेगा बल्कि आप अरोमैटिक बाथ का लुफ्त भी उठा सकती हैं।

एंटी-सैटेलाइट मिसाइल का परीक्षण

रूस के जासूसी सैटेलाइट का मलबा आईएसएस के पास से गुजरा

एस्ट्रोनॉट जान बचाने के लिए कैप्सूल में लौटे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

रूस ने अंतरिक्ष में सैटेलाइट को तबाह करने वाले एंटी सैटेलाइट मिसाइल (एसैट) का परीक्षण किया है। बताया जा रहा है कि इस टेस्ट के दौरान रूस ने अपने एक पुराने जासूसी उपग्रह कॉसमॉस-1408 को उड़ा दिया। इससे निकला मलबा अंतरिक्ष में च?क्कर काट रहे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के बेहद नजदीक से गुजरा। इस कारण आईएसएस पर काम कर रहे अमेरिका के चार, जर्मन का एक और रूस के दो अंतरिक्ष यात्रियों को बचने के लिए अपने वापसी यान यानी सोयुज में शरण लेनी पड़ी। यह एक आपातकालीन व्यवस्था है जिसमें अंतरिक्ष यात्री किसी तरह का खतरा होने पर उन वाहनों में चले जाते हैं, जिनके जरिए उन्हें पृथ्वी पर लौटाया जा सके। यह अभी तक साफ नहीं हुआ है कि रूस ने इस हथियार का कब परीक्षण किया। उसने इस परीक्षण की जानकारी भी संबंधित देशों से साझा नहीं की। इस घटनाक्रम की निगरानी कर रहे विशेषज्ञों ने बताया कि प्रत्येक 90 मिनट या उसके बाद रूसी सैटेलाइट का मलबा आईएसएस के पास से गुजरा। रूस की स्पेस एजेंसी रोसकोसमोस ने भी इसकी पुष्टि की है।

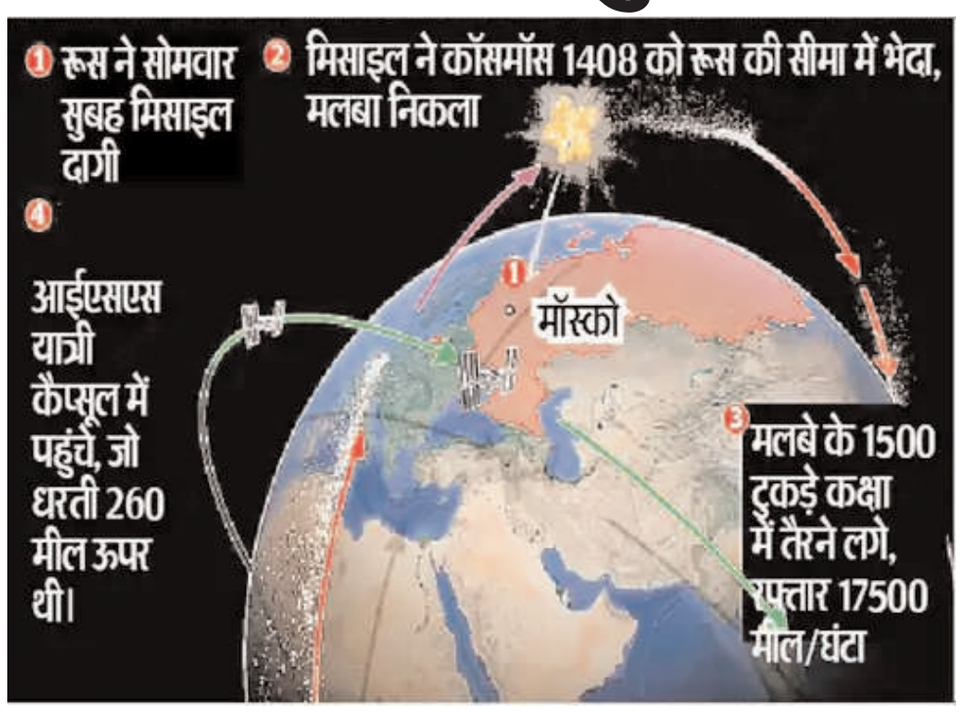

अमेरिका ने कहा, ये खतरनाक, इसका जवाब दिया जाएगा

एजेंसी ने कहा, 'कक्षा में कुछ चीजों के आने से चालकदल को अपने यान में जाना पड़ा जो कि एक मानक प्रक्रिया है। मलबा अब कक्षा से बाहर जा चुका और अब अंतरिक्ष स्टेशन ग्रीन जोन में (सुरक्षित) है।' रूस के इस कदम को अमेरिका ने खतरनाक बताया है। उसने कहा है कि अंतरिक्ष में मलबे से आईएसएस के परिचालन में बाधा आई। अमेरिका ने कहा कि इस हरकत का जवाब देंगे। भारत, अमेरिका, रूस और चीन जैसे देश धरती से ही कक्षा से उपग्रहों को बाहर निकालने में सक्षम हैं। चीन ने 2007 में अपने निष्क्रिय मौसम उपग्रह को नष्ट किया था, तो 3000 से अधिक मलबे के टुकड़े बने थे। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, 'मलबे से 1,500 से अधिक टुकड़े बने हैं। ये एस्ट्रोनॉट के साथ अन्य मानव अंतरिक्षयान की गतिविधियों के लिए जोखिम बढ़ा देगा। अंतरिक्ष के हथियारीकरण का विरोध करने का रूस का दावा पाखंड हैं।

तेलंगाना के गांव को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

पोचमपल्ली को यूएन ने चुना बेस्ट टूरिज्म विलेज

यहां साड़ी का घरेलू बाजार ही 200 करोड़ से ज्यादा का

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

तेलंगाना के नलगोंडा जिले के पोचमपल्ली गांव का नाम भले ही अनसुना लगे, लेकिन पोचमपल्ली साड़ियां देशभर में ख्यात हैं। हैदराबाद से 40 किमी दूर यह गांव अब पर्यटन के अंतरराष्ट्रीय नक्शे पर आ गया है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने पोचमपल्ली को देश का सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव चुना है। गांव को स्पेन के मैड्रिड में 2 दिसंबर को होने वाली यूएनडब्ल्यूटीओ की आम सभा में अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा- 'आत्मनिर्भर भारत के तहत पोचमपल्ली की बुनाई शैलियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल के जरिये विशेष ध्यान मिला।' पोचमपल्ली इसलिए भी खास है क्योंकि आचार्य विनोभा भावे ने इसी गांव से 18 अप्रैल 1951 को भूदान आंदोलन शुरू किया था। भावे की एक आवाज पर यहां के जमींदार ने 250 एकड़ जमीन दान दे दी थी। 1980 में ख्यात फिल्म निर्देशक श्याम बेनेगल ने इसी गांव पर आधारित शबाना आजमी, नीना गुप्ता और ओम पुरी अभिनीत फिल्म 'सुस्मान' बनाई थी। फिल्म में हथकरघा कारीगरों के संघर्ष के बारे में बताया गया था। यही नहीं, एयर इंडिया का कैबिन क्रू भी विशेष डिजाइन वाली पोचमपल्ली सिल्क साड़ी पहनता है। 80 छोटे-छोटे गांवों के समूह पोचमपल्ली के करीब हर घर में हथकरघे हैं। यहां 1500 से अधिक परिवार हैं और 10 हजार हथकरघे हैं। इससे यहां कुटीर उद्योग सा नजारा दिखता है। बुनकर सिल्क धागे से इकत शैली में साड़ियां बुनते हैं। एक साड़ी बनाने में 40 दिन लगते हैं।

फौज पर तंज:आसिफ अली जरदारी बोले- इमरान को सत्ता में लाने वाले भी अब पछता रहे हैं; मरियम नवाज बेटी जैसी, उनसे शिकायत नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने ताकतवर फौज पर तंज किया है। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में जरदारी ने कहा- इमरान खान को सत्ता में लाने वाले अब बहुत पछता रहे हैं। उन्हें यह अहसास हो चुका है कि एक बेहद गलत और कमजोर आदमी को उन्होंने कुर्सी पर बिठा दिया है। मरियम नवाज के बारे में पूछे गए एक सवाल पर पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के इस सबसे सीनियर लीडर ने कहा- वो मेरे लिए बेटी जैसी हैं, उनसे किसी तरह की शिकायत नहीं है।

कोर्ट में पेश हुए जरदारी:- अकाउंटबिलिटी कोर्ट में पेश होने के बाद जरदारी मीडिया से मुखातिब हुए। कई सवालों के जवाब दिए। पहली बार फौज पर तंज किया, लेकिन ऐसा करते वक्त आर्मी शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। कहा- इमरान खान क्या कर रहे हैं, ये सबको मालूम है। मुल्क और अवाम की क्या हालत कर दी गई है, ये भी सबको पता है। सच्चाई ये है कि इमरान खान को सत्ता में लाने वाले भी अब समझ चुके हैं कि उन्होंने कितनी बड़ी गलती कर दी। उन्हें भी अब अपने किए पर बहुत अफसोस हो रहा है।

पटना में तख्त श्री हरिमंदिर साहिब गुरुद्वारे के पास पहले सिख गुरु, गुरु नानक देव जी की 552 वीं जयंती समारोह के एक भाग के रूप में सिख बच्चे हाथी और ऊंट की सवारी करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

तालिबान के आने के बाद अफीम का धड़ल्ले से प्रसार

काबुल

जिस बात का डर था वही हुआ। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद देश में अफीम उत्पादन में रिकॉर्ड इजाफा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक वहां लगातार पांचवें साल अफीम उत्पादन 6,000 टन के आंकड़े को पार कर गया। इस साल 6800 टन अफीम उत्पादन हुआ है। इस साल 8त्न की वृद्धि दर्ज की गई। अगस्त में देश पर कब्जा करने वाले तालिबान ने सितंबर में ही अफीम की कीमतों को बढ़ा दिया था।

रिपोर्ट में कहा गया है, '2022 में अफीम की फसल नवंबर 2021 में किसानों द्वारा लिए गए निर्णयों पर आधारित होगी।'

अफगानिस्तान को इस साल अफीम से 13 हजार करोड़ रुपए से 20 हजार करोड़ के बीच आय हुई। अफीम से हेरोइन, मेथामफेटामाइन, मॉर्फिन और कोकीन सहित कई नशीले पदार्थ और दवाएं बनती हैं।

कुल अफीम उत्पादन में 87 फीसदी हिस्सा अफगानिस्तान का

अफगानिस्तान का वैश्विक अफीम उत्पादन में करीब 87त्न हिस्सा है और वह सबसे बड़ा उत्पादक है। नशीली दवाओं के अवैध उत्पादन को रोकने के लिए अमेरिका ने 66 हजार करोड़ के निवेश और दो दशक के प्रयास के बावजूद इसमें कोई कमी नहीं आ सकी।

नई दिल्ली में स्मॉग के बीच सड़क पर चलते वाहन।

ब्रिटिश पीएम बोरिस के पिता स्टेनली पर दो महिलाओं से छेड़छाड़ का आरोप, इनमें से एक सांसद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के पिता स्टेनली जॉनसन पर दो महिलाओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इनमें से एक कंजर्वेटिव सांसद है। दूसरी महिला पत्रकार है। दोनों घटनाएं काफी पुरानी हैं, लेकिन अब सामने आई हैं। स्टेनली पहले भी कई बार चर्चा में रहे हैं। वो खुद भी पॉलिटिशियन हैं और वर्ल्ड बैंक से भी जुड़े रहे हैं।

इंटरव्यू में खुलासा

कैरोलिन नोक्स कंजर्वेटिव पार्टी की सांसद हैं और फिलहाल, ब्रिटिश संसद की महिलाओं से जुड़ी एक कमेटी की सदस्य हैं। नोक्स ने 'स्काय न्यूज' को दिए इंटरव्यू में ब्रिटिश प्रधानमंत्री के पिता पर छेड़छाड़ के गंभीर आरोप लगाए। नोक्स का आरोप है कि स्टेनली ने उन्हें गलत तरीके से छुआ। बाद में एक पत्रकार ने भी इसी तरह के आरोप लगाए। नोक्स ने कहा- मेरे हिसाब से स्टेनली एक जानीमानी शख्सियत हैं। जिस वक्त की यह घटना है, उस वक्त स्टेनली डेवॉन क्षेत्र से कंजर्वेटिव कैंडिडेट थे। उन्होंने मुझे गलत तरीके से

छुआ और यह बदतमीजी करके वो वहां से चले गए। उन्होंने अश्लील कमेंट भी किया था। नोक्स के मुताबिक- घटना पार्टी की सालाना बैठक के दौरान 2003 में हुई। उस वक्त हम दोनों ही सांसद का चुनाव लड़ने जा रहे थे। उस वक्त मेरी उम्र करीब 30 साल थी और मैं अपना अच्छा या बुरा बहुत बेहतर तरीके से समझ सकती थी।

सच्चाई बताना जरूरी

एक सवाल के जवाब में नोक्स ने कहा- इस तरह की घटनाओं के बारे में बात करना मैं अपना फर्ज समझ सकती है। इसकी वजह यह है कि आगे किसी के साथ ऐसा हो तो वो इसके खिलाफ पुरजोर आवाज उठा सके। उस वक्त मैं खुद ऐसा नहीं कर सकी थी। लेकिन, आज भी चुप रह गई तो मेरी बेटी को भी शायद चुप रहना पड़ेगा। इसलिए, हमको ये तय करना होगा कि क्या करना सही होगा, हम किस दिशा में जाना है? नोक्स के मुताबिक, इस तरह की हरकतों के खिलाफ चुप रहना गलत लोगों की हौसलाअफजाई करने जैसा है।

पत्रकार ने भी आवाज उठाई

नोक्स के गंभीर आरोपों के बाद, न्यू स्टेट्समैन की सीनियर जर्नलिस्ट एलीबे रे ने भी इसी तरह की शिकायत की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी बात रखी। कहा- 2019 में कंजर्वेटिव पार्टी की एक कॉन्फ्रेंस हुई थी। इसी दौरान स्टेनली ने मेरे साथ भी कुछ इसी तरह की बदसलूकी की थी। मैं नोक्स की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे सच सामने लाने की हिम्मत दी। हमें हर ताकतवर व्यक्ति की गलत हरकत के खिलाफ बोलने का हक है, फिर वो व्यक्ति प्रधानमंत्री का पिता ही क्यों न हो।

जलवायु परिवर्तन से मुकाबला

28 साल के लिएंड्रो एशिया का सबसे बड़ा सोलर प्लांट बना रहे

लागत 500 करोड रु.

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज फिलीपींस

फिलीपींस के 28 साल के लिएंड्रो लेविस्टे जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए अडिग हैं। फिलीपींस में दक्षिण पूर्व एशिया का सबसे बड़ा सोलर प्लांट बनाने के लिए उन्होंने अपनी होल्डिंग कंपनी के शेयर बेचकर 500 करोड़ रुपए जुटाने जा रहे हैं। उनकी कंपनी सोलर फिलीपींस मनीला से 130 किमी दूर उत्तर में 500 मेगावॉट क्षमता का सबसे बड़ा सोलर प्लांट स्थापित कर रही है। इससे सौर क्षमता 50त्न बढ़ जाएगी और 8 लाख घरों को बिजली मिलेगी। इसके लिए सभी प्रारंभिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ब्लूमबर्ग एनईएफ डेटा के मुताबिक फिलीपींस 2020 तक सौर क्षमता में 114 देशों में से 42वें स्थान पर था। लेकिन अब सौर ऊर्जा प्लांट की स्थापना से लगता है कि देश 2030 तक अपनी बिजली का कम से कम 35त्न अक्षय स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य हासिल कर लेगा। पिछले साल सरकार ने नए कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों के निर्माण पर रोक लगा दी थी। कोप 26 शिखर सम्मेलन में फिलीपींस कुछ संयंत्रों को जल्दी बंद करने की एशियाई विकास बैंक समर्थित योजना में शामिल हो गया है।

कोरोना की वापसी: जहां टीकाकरण कम, वहां बढ़ रहे केस

रोम। यूरोप में पारा गिरते ही कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। चौथी लहर से बचने के लिए कुछ यूरोपीय देशों में मास्क की वापसी हो चुकी है। बूस्टर डोज देने की तैयारी की जा रही है। लॉकडाउन पर विचार किया जा रहा है। यही नहीं, वैक्सीन नहीं लेने वाले लोगों के खिलाफ तेजी से लक्षित प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। मिसाल के तौर पर बीते दो हफ्तों में ऑस्ट्रिया में कोविड के नए मामलों में 134त्न वृद्धि देखी गई है। ऑस्ट्रियाई सरकार ने 12 साल से अधिक उम्र की अपनी बिना टीकाकरण वाली आबादी पर नकेल कस दी और इनकी यात्रा को काम, स्कूल, जरूरी सामान की खरीदारी और मेडिकल देखभाल तक सीमित कर दिया है।

वाराणसी में अंतर्राष्ट्रीय गुब्बारा महोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर डोमरी से गर्म हवा के गुब्बारे उड़ते हैं।

न्यूज ब्रीफ

एटीपी फाइनल्स : मेदवेदेव सेमीफाइनल में पहुंचे, सिनर ने किया प्रभावित

तूरिन। मौजूदा चैंपियन दानिल मेदवेदेव ने 2018 के चैंपियन अलेक्सांद्र जेवरेव को हराकर लगातार दूसरी जीत से एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। यानिक सिनर ने हमवतन इतालवी खिलाड़ी मैटियो बेरेटिनी के चोटिल होने के कारण अंतिम क्षणों में टूर्नामेंट में जगह बनाने के कुछ देर बाद हूबर्ट हरकाज को सीधे सेटों में हराया। यूएस ओपन चैंपियन मेदवेदेव ने जेवरेव को ढाई घंटे तक चले संघर्षपूर्ण मैच में 6-3, 6-7 (3), 7-6 (6) से पराजित किया। मेदवेदेव ने बाद में कहा, 'निश्चित तौर पर यह याद रखने लायक मैच था। यह शानदार मैच था।% मेदवेदेव इस जीत से रेड ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गए हैं और उन्होंने सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। इस ग्रुप से बेरेटिनी चोटिल होने के कारण जेवरेव के खिलाफ आधे मैच से हट गये थे और उनकी जगह सिनर को लिया गया। सिनर ने दो बार हरकाज की सर्विस तोड़कर 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की। इसके बाद उन्होंने टीवी कैमरा पर अपने हस्ताक्षर करने के बजाय लिखा, 'मैटियो आप आदर्श हो। सिनर ने कहा, 'मैं मैटियो के लिए यह टूर्नामेंट खेल रहा हूं।

पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज नहीं खेलेगा बांग्लादेश का यह धाकड़ बल्लेबाज

ढाका। बंगलादेश क्रिकेट टीम के चयनकर्ताओं की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टी-20 श्रृंखला के लिए मंगलवार को घोषित 16 सदस्यीय टीम से लिटन दास, सौम्य सरकार और रुबेल हुसैन को ड्रॉप कर दिया गया है। हाल ही में समाप्त हुए टी-20 विश्व कप में खेली टीम की तुलना में इस टीम में छह बदलाव हैं। ऑलराउंडर शाकिब अल हसन और सैफुद्दीन जहां चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं, वहीं मुशफिकुर रहीम को आराम दिया गया है। इस बीच बल्लेबाज नजमुल हुसैन शांतो और लेग स्पिनर अमीनुल इस्लाम बिप्लब की टीम में वापसी हुई है, जबकि नए बल्लेबाज सैफ हसन, यासिर अली चौधरी, तेज गेंदबाज शोहिदुल इस्लाम और विकेटकीपर अकबर अली को भी टीम में वापस बुलाया गया है। उल्लेखनीय है कि दोनों टीमों के बीच 19 नवंबर से ढाका के शेर-ए-बंगला स्टेडियम में टी-20 सीरीज शुरू होनी हैं और इसके तीनों मैच यहीं पर खेले जाएंगे।

कोहली का रिकॉर्ड खतरे में : गुप्टिल छोड़ेंगे विराट को पीछे, NZ के खिलाफ रोहित, चहल और राहुल ने किया कमाल तो टूटेंगे कई रिकॉर्ड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आज टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम नए कप्तान और कोच के साथ उतरेगी। आइए आपको बताते हैं इस सीरीज में कौन-कौन से बड़े रिकॉर्ड बन सकते हैं।

टूट सकता है कोहली का रिकॉर्ड

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल अगर सीरीज में 81 रन बना लेते हैं तो वो टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी ये रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली ने अब तक 3,227 रन बनाए हैं। इस सीरीज में विराट टीम का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में गुप्टिल के पास बहुत अच्छा मौका है।

रोहित शर्मा के पास सिक्सर किंग बनने का मौका

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में तीन छक्के जड़ देते हैं तो उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में 450 छक्के हो जाएंगे। वो ऐसा करने वाले सिर्फ तीसरे बल्लेबाज होंगे। उनसे पहले ये कारनामा शाहिद अफरीदी और क्रिस गेल कर चुके हैं। अगर रोहित के बल्ले ने आग उगली और सीरीज में उन्होंने 10 छक्के लगा दिए तो उनके टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 150 छक्के हो जाएंगे। वो ऐसा करने वाले विश्व के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बनेंगे। उनसे पहले सिर्फ मार्टिन गुप्टिल ने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 150 छक्के लगाए हैं।

के एल राहुल के पास बड़ा मौका

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया के उपकप्तान के एल राहुल अगर पूरी सीरीज में 249 रन बनाते हैं तो उनके टी-20 इंटरनेशनल में 2 हजार रन पूरे हो जाएंगे। राहुल से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा ने ही भारत के लिए टी-20 इंटरनेशनल में 2 हजार रन बनाए हैं। वहीं, अगर इस सीरीज में ईशान किशन एक कैच लपक लेते हैं तो उनके टी-20 क्रिकेट (घरेलू और इंटरनेशनल) में 50 कैच पूरे हो जाएंगे।

चहल के पास बड़ा मौका

टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया में जगह नहीं बना पाए युजवेंद्र चहल न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में कई रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। अगर चहल कीवी टीम के खिलाफ 4 विकेट झटक लेते हैं तो टी-20 इंटरनेशनल में चहल भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। वहीं, अगर इस सीरीज में उनके खाते में 8 विकेट आए तो वो टी-20 क्रिकेट (घरेलू और इंटरनेशनल) में उनके 250 विकेट हो जाएंगे।

द्रविड़ के सामने पहाड़ जैसा चैलेंज

आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करना पहला टारगेट

» **टी-20 और वनडे में फिर से फियरलेस अप्रोच लाने पर होगा जोर**

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के नए हेड कोच राहुल द्रविड़ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से पहले अपना रोल निभाना शुरू कर दिया है। रवि शास्त्री के मार्गदर्शन में टी-20 वर्ल्ड कप में नाकामी का सामना करने वाली टीम इंडिया अब द्रविड़ के हवाले है, जो क्रिकेट की दुनिया में द वॉल के नाम से प्रसिद्ध हैं। शास्त्री के बाद ये जिम्मा संभालना द्रविड़ के लिए लड़खड़ाई टीम के लिए 3 नंबर पर बल्लेबाजी करने जैसा ही है। टीम में टैलेंट और अनुभव की कमी नहीं है, लेकिन हालिया नाकामी से इंडिया को उबारना द्रविड़ के लिए चुनौती से कम नहीं है।

द ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया इन एक्शन

फुटबॉल की तरह क्रिकेट में भी वर्कलोड मैनेजमेंट जरूरी। खिलाड़ियों की मानसिक और शारीरिक मजबूती हमारी प्राथमिकता होगी।

राहुल द्रविड़

पहली चुनौतीः आईसीसी खिताब जीतना

वन डे, टेस्ट और टी-20 वर्ल्ड कप में से कोई भी खिताब भारतीय टीम को नहीं मिला है। 2011 वर्ल्ड कप खिताब के बाद 2013 में टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी और इसके बाद ऐसा कोई टूर्नामेंट टीम ने नहीं जीता। कोच के तौर पर रवि शास्त्री और कैप्टन के तौर पर कोहली की भी यही नाकामी रही है। द्रविड़ के सामने बड़ी चुनौती टीम इंडिया को विनिंग ट्रैक पर वापस लाना है।

दूसरी चुनौतीः व्हाइट बॉल में फियरलेस क्रिकेट

लिमिटेड ओवर क्रिकेट में टीम इंडिया उसका फियरलेस क्रिकेट को खो चुकी है। सहवाग-गंभीर, गंभीर-धवन जैसे ओपनर्स के साथ युवराज, रोहित, कोहली जैसे बल्लेबाजों ने गजब की फियरलेस क्रिकेट खेली। 2011 के बाद से टीम में इसकी कमी दिखाई दी है। वन-डे वर्ल्ड कप, टी-20 वर्ल्ड कप में यही देखने को मिला कि जैसे ही शुरुआती विकेट गिरे टीम इंडिया बैकफुट पर दिखी, जबकि टीम में केएल राहुल, पंत, अय्यर, सूर्यकुमार जैसे फियरलेस क्रिकेटर मौजूद हैं।

तीसरी चुनौतीः न्यूजीलैंड का दौरा

न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर है, जो टी-20 और टेस्ट सीरीज खेलेगी। पहला टी-20 मुकाबला जयपुर में होना है। टीम में कप्तान भी नए होंगे और कोच भी। कुछ सीनियर खिलाड़ियों को रेस्ट दिया गया है।

चौथी चुनौतीः टीम में बैलेंस

टी-20 स्क्वॉड में रोहित, भुवनेश्वर और अश्विन जैसे अनुभवी प्लेयर्स के अलावा घरेलू क्रिकेट और ढ्ढक्क में शानदार परफॉरमेंस करने वाले नए चेहरे भी हैं। इनमें ऋतुराज गायकवाड़, आवेश खान, वेंकटेश अय्यर और हर्षल पटेल शामिल हैं। युवा श्रेयस, राहुल, पंत और ईशान भी टीम का हिस्सा हैं। अनुभव और टीम का सही बैलेंस ही जीत में अहम भूमिका निभाएगा और ये आसान काम नहीं है।

पांचवीं चुनौतीः फ्यूचर प्लानिंग

रोहित शर्मा 34 के हो चुके हैं और विराट 33 के, ऐसे में भविष्य के लिए बड़ा सवाल ये है कि इनके बाद कौन? भारत को भविष्य के लिए कैप्टन भी तैयार करना है। केएल राहुल, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर ऐसे कैंडिडेट में शामिल हैं।

उथप्पा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फर्स्ट टी20 मैच से पहले चुनी भारतीय प्लेइंग इलेवन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अनुभवी क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के लिए टीम इंडिया की सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन चुनी है। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल को सलामी बल्लेबाज के रूप में चुना क्योंकि वह अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के साथ शुरुआती संयोजन को बिगाड़ना नहीं चाहते। उथप्पा ने नंबर 3 पर रुतुराज गायकवाड़ के साथ गए, जिन्होंने आईपीएल 2021 में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ऑरेंज कैप जीती थी। उन्होंने श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव को क्रमशः नंबर 4 और 5 पर रखा। अय्यर का आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छा अभियान था, लेकिन वह विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सके। उथप्पा ने लचीला होने और मध्य क्रम में कहीं भी बल्लेबाजी करने की क्षमता रखने के लिए सूर्यकुमार की सराहना की। उथप्पा ने नंबर 6 के लिए गतिशील ऋषभ पंत को चुना क्योंकि उन्होंने माना कि बाएं हाथ का खिलाड़ी अगले विश्व कप में जाने वाले भारत के फिनिशरों में से एक है। उन्होंने कहा कि अगले 12 महीनों में फिनिशिंग की भूमिका के अभ्यस्त होने के लिए पंत को उस स्थिति में थोड़ा और समय चाहिए। उथप्पा ने रवि अश्विन और युजवेंद्र चहल को स्पिनर के रूप में चुना। अश्विन ने विश्व कप के दौरान सीमित ओवरों के क्रिकेट में वापसी की और उन्होंने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। दूसरी ओर, चहल को मेगा इवेंट के लिए शामिल नहीं किया गया था जिसकी कमी भी खली। उन्होंने हर्षल पटेल को भी चुना। हर्षल आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए भी प्रभावशाली थे।

रॉबिन उथप्पा द्वारा न्यूजीलैंड के खिलाफ चुनी गई भारतीय 11

रोहित शर्मा, केएल राहुल, रुतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, रवि अश्विन, हर्षल पटेल, युजवेंद्र चहल, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद सिराज

साओ पाउलो। अर्जेंटीना ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी ब्राजील के खिलाफ दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफाईंग का मैच गोलरहित ड्रा खेलकर अगले साल होने वाले विश्व कप फुटबॉल में अपनी जगह सुरक्षित की। इससे लियोनेल मेस्सी को विश्व खिताब जीतने का पांचवां और संभवतः अंतिम मौका भी मिल गया है। मेस्सी अपने करियर अब तक यही बड़ी ट्राफी नहीं जीत पाए हैं।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

एशेज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

पहले दो टेस्ट में टी-20 वर्ल्ड कप के हीरो मैथ्यू वेड को टीम में जगह नहीं, उस्मान ख्वाजा और रिचर्डसन की वापसी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज दुबई

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज के पहले दौ मैचों के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले मैथ्यू वेड और मिचेल मार्श को टीम में जगह नहीं दी गई है। वहीं उस्मान ख्वाजा और झाए रिचर्डसन की टीम में वापसी हुई है। वहीं डेविड वार्नर के साथ ओपनिंग पार्टनर मार्कस हैरिस होंगे। पांच तेज गेंदबाजों के साथ ऑलरांउडर कैमरून ग्रीनऔर बैक ऑफ स्पिनर के तौर मिशेल स्वेप्सन को टीम में जगह दी गई है। सिलेक्टर्स ने टीम पेन पर भरोसा जताते हुए टीम की कप्तानी सौंपी है। टीम पेन इस सीजन में गर्दन की

उस्मान ख्वाजा झाए रिचर्डसन

सर्जरी के बाद एक भी मैच नहीं खेले हैं। हालांकि, इस हफ्ते के अंत में होबार्ट प्रीमियर क्रिकेट में तस्मानिया के लिए दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार दिवसीय घरेलू टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद है।

टीम संतुलितः- अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि एशेज की चुनौतियों का सामना करना के लिए टीम तैयार है। पहले दो टेस्ट मैचों के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है। दो मैचों के समीक्षा करने के बाद आगे के तीन मैचों के लिए टीम की घोषणा की जाएगी। टीम संतुलित है।

मिचेल मार्श रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल

मिचेल मार्श को बेशक मुख्य टीम में जगह नहीं दी गई है, लेकिन उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया ए टीम इंग्लैंड लायंस के साथ चार दिवसीय मैच खेलना है। जो 9 दिसंबर से 12 दिसंबर के बीच ब्रिस्बेन में खेला जाएगा। इसके अलावा मार्श रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम के साथ जुड़े रहेंगे।

पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच गाबा में

पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच 8 से 12 दिसंबर के बीच गाबा में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टेस्ट 16 से 20 दिसंबर के बीच एडिलेड में, तीसरा टेस्ट 26 से 30 दिसंबर के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड, चौथा टेस्ट 5 से 9 जनवरी सिडनी और पांचवां टेस्ट 14 से 18 जनवरी के बीच पर्थ में खेला जाएगा।

पहले दो टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः- टिम ,पेट कमिंस ,कैमरून ग्रीन, मार्कस हैरिस ,जोश हेजलवुड,ट्रैविस हेड,उस्मान ख्वाजा,मार्नस लाबुशेन,नाथन लियोन ,माइकल नेसर, झाए रिचर्डसन,स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मिशेल स्वेप्सन,डेविड वार्नर

न्यूज ब्रीफ

ई-कॉमर्स की श्रेणी में क्रिप्टो!

नई दिल्ली। सरकार क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के रूप में वर्गीकृत करने की संभावना पर विचार कर रही है और यह भी देख रही है कि उन पर वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली (जीएसटी) के तहत स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) किया जा सकता है या नहीं। इस कदम का मकसद यह है कि अगर सरकार इस क्षेत्र को विनियमित करने का फैसला लेती है तो वर्चुअल करेंसी के लेनदेन पर नियंत्रण रखा जा सके। क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों को तीन श्रेणियों में बांटने का प्रस्ताव है, जो सुविधा, ब्रोकरेज और ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेंगे। ब्रोकरेज खरीद एवं बिक्री की सेवा देंगी। ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म कारोबार के लिए इंटरफेस मुहैया कराएंगे। इन्हें जीएसटी प्रणाली के तहत पंजीकरण कराना पड़ सकता है और अपने प्लेटफॉर्म के जरिये क्रिप्टोकरेंसी खरीदने तथा बेचने वालों से टीसीएस संग्रह करना पड़ सकता है। अधिकारियों की इस बारे में चर्चा हुई है कि मौजूदा कर व्यवस्था- प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों में ऐसी परिसंपत्तियों के उचित वर्गीकरण और उसके अनुसार कर लगाने का प्रावधान है। आयकर विभाग के आंकड़ों का इस्तेमाल कर और एक्सचेंजों से जानकारी लेकर क्रिप्टोकरेंसी की बिक्री, खरीद, माइनिंग और लेनदेन पर वर्ष 2017 से कर लगाए जाने के आसार हैं। वित्त मंत्रालय में क्रिप्टोकरेंसी की खरीद, बिक्री, विनिमय, हस्तांतरण, आपूर्ति, भंडारण पर 18 फीसदी जीएसटी लगाने के संबंध में चर्चा हुई है। इसकी वसूली निवेशकों से की जाएगी। क्रिप्टोकरेंसी प्लेटफॉर्मों द्वारा काटे गए टीसीएस को निवेशक की कर देनदारी से समायोजित किया जा सकता है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे : 3 साल में तैयार हुआ देश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे

कार की स्पीड 120 किमी/घंटा से ऊपर होने पर लगेगा चालान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश का सबसे लंबा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तैयार है। ये लखनऊ जिले के गोसाईंगंज के पास चांद सराय गांव को गाजीपुर जिले में ह॥-31 पर स्थित हेदरिया गांव से जोड़ता है। इस 6 लेन एक्सप्रेस-वे की लंबाई 340.8 किमी है। इसे उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा तैयार किया गया है। इसका काम अक्टूबर 2018 में शुरू हुआ था, यानी इसे तैयार होने में 3 साल का वक्त लगा। आप इस एक्सप्रेस-वे पर गुजर रहे हैं तब आपको एक्सप्रेस-वे से जुड़े नियमों की जानकारी होना चाहिए। एक्सप्रेस-वे पर गाड़ी कितनी तेज चला सकते हैं? ओवर स्पीड करने पर कितना जुर्माना लग सकता है? आपकी गाड़ी की स्पीड पर कैसे निगरानी रखी जाती है? देश में नेशनल एक्सप्रेस-वे और एक्सप्रेस-वे पर चलने वाली गाड़ियों की स्पीड को लेकर एक जैसे नियम हैं। वहीं, नेशनल हाईवे की स्पीड को लेकर नियम थोड़े अलग हैं। नेशनल हाईवे पर कार के लिए 100किमी/घंटा की अधिकतम स्पीड लिमिट तय की गई है, जबकि एक्सप्रेस-वे या नेशनल एक्सप्रेस-वे पर ये लिमिट 120किमी/घंटा की है। एक्सप्रेस-वे और हाईवे पर टू-व्हीलर और हैवी व्हीकल के लिए भी स्पीड लिमिट अलग-अलग है। टू-व्हीलर के लिए हाईवे और एक्सप्रेस-वे पर स्पीड लिमिट 80किमी/घंटा है। वहीं, हैवी व्हीकल जैसे बस और ट्रक के लिए स्पीड लिमिट 100किमी/घंटा तक है। सर्दी के दिनों में कोहरे या धुंध के चलते स्पीड लिमिट को घटा दिया जाता है। ये सीमित समय के लिए होता है।

सबसे ज्यादा 5 एक्सप्रेस-वे UP में

देश में अब कुल 19 एक्सप्रेस-वे हैं। इनमें से सबसे ज्यादा 7 उत्तर प्रदेश में हैं। इनमें 2 दिल्ली के साथ जुड़े हैं। देश के 2 सबसे बड़े एक्सप्रेस-वे भी उत्तर प्रदेश में हैं।

कैमरे से निगरानी, ओवर स्पीड पर चालान

देश के सभी एक्सप्रेस-वे पर ऐसे CCTV कैमरे लगाए गए हैं जो गाड़ी की स्पीड पर नजर रखते हैं। जैसे ही गाड़ी की स्पीड तय लिमिट से ज्यादा होती है, कैमरे में कैद हो जाती है। आप एक टोल से दूसरे टोल पर कितने समय में पहुंचे, इस बात से गाड़ी की स्पीड का पता लगाया जाता है। इससे टोल पर ही गाड़ी का चालान किया जाता है। ये चालान वैसे तो फिक्स होता है, लेकिन स्पीड के हिसाब से ज्यादा भी किया जा सकता है। जैसे यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्पीड लिमिट क्रॉस करने पर 500 रुपए का चालान लगता है, जबकि 2019 में 214किमी/घंटा की स्पीड के चलने वाली मर्सिडीज पर 2000 रुपए का ई-चालान किया गया था। चालान नहीं भरने की कंडीशन में ड्राइविंग लाइसेंस कैंसल किया जा सकता है।

बाजार में लौटी रोनक:त्योहारों में मांग बढ़ने से अक्टूबर में 21 फीसदी बढ़ गई एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश के फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) बाजार में अक्टूबर के दौरान सालाना आधार पर 21 फीसदी ग्रोथ देखने को मिली है। इसमें पैकेज्ड फूड, चावल, दाल, आटा जैसी कमोडिटीज और लग्जरी सामान की तगड़ी बिक्री का अहम योगदान रहा। होमकेयर सेगमेंट की बिक्री में सुस्ती देखने को मिली। देश के 75 लाख रिटेल स्टोर्स को सेल्स ऑटोमेशन सुविधा मुहैया कराने वाली फर्म बिजोम की ताजा रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है।

होमकेयर सेगमेंट की बिक्री 8 फीसदी घटी

रिपोर्ट के मुताबिक, सभी श्रेणियों की बिक्री में 13-35 फीसदी बढ़ोतरी हुई, जबकि होमकेयर सेगमेंट की बिक्री 8 फीसदी घटी। किराना स्टोर्स की बिक्री बढ़ाने में त्योहारी सीजन जल्द शुरू होने की अहम भूमिका रही। पिछले साल त्योहारी सीजन नवंबर में शुरू हुआ था। मोंडेलेज इंटरनेशनल (इंडिया) के प्रेसिडेंट दीपक अय्यर ने कहा, 'त्योहारी सीजन

बहुत अच्छा रहा। कंज्यूमर सेंटिमेंट अभी पॉजिटिव है। इसके कई कारण हैं, जिनमें तेज टीकाकरण, पेंटअप डिमांड, कोरोना की पाबंदियों में ढील के बाद लोगों की आवाजाही बढ़ना जैसे कारण शामिल हैं। लोगों में आशावाद ऐसे समय बढ़ा है जब महंगाई का दबाव कंपनियों को मूल्यवृद्धि के लिए मजबूर कर रहा है। पाम, क्रूड और चाय की कीमतें एक साल पहले की तुलना में 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ गई हैं, जबकि पैकेजिंग सामग्री के दाम पिछले साल की तुलना में 30-35 फीसदी बढ़े हैं।

टारसंस के आईपीओ को दूसरे दिन 3.58 गुना अभिदान

नई दिल्ली। टारसंस प्रोडक्ट्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को निर्गम के दूसरे दिन 3.58 गुना अभिदान मिला। कंपनी के 1,023.84 करोड़ रुपये मूल्य के आईपीओ में 1,08,44,104 शेयरों की पेशकश की गई थी। इसके मुकाबले अभी तक 3,88,07,802 शेयरों के लिए बोलियां मिल चुकी हैं। खुदरा व्यक्तिगत निवेशक खंड को 4.74 गुना और गैर-संस्थागत निवेशक श्रेणी में 3.98 गुना अभिदान मिला। वहीं पात्र संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) खंड को 1.30 गुना अभिदान मिला। आईपीओ के तहत 150 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं और 1,32,00,000 इक्विटी शेयरों की खुली बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई गई है।

अप्रिलिया की दो स्कूटर लॉन्च : दोनों ही स्कूटर में एंटीलॉक ब्रेकिंग सिस्टम मिलेगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पियाजियो इंडिया ने भारत में अपडेटेड अप्रिलिया एसआर 160 स्कूटर लॉन्च की है। इसकी कीमत 1,17,494 रुपए (एक्स-शोरूम) है। यह पुराने मॉडल के मुकाबले करीब 10,533 रुपए महंगा है। कंपनी ने अपडेटेड अप्रिलिया एसआर 125 भी पेश की है। इसकी कीमत 1,07,595 रुपए (एक्स-शोरूम) है। ग्राहक अपडेटेड अप्रिलिया एसआर 160 को पूरे भारत में कंपनी की डीलरशिप पर और साथ ही कंपनी की ऑफीशियल वेबसाइट के जरिए 5,000 रुपए के टोकन अमाउंट पर प्री-बुक कर सकते हैं। नई एसआर 160 रेंज व्हाइट, ब्लू, ग्रे, रेड और मैट ब्लैक कलर में मिलती है। अपडेटेड अप्रिलिया एसआर 160 डिटेल्ड अपग्रेड के साथ आता है, जिसमें नए हेडलैम्प और एप्रन के साथ

फिर से डिजाइन किया गया फ्रंट शामिल है। अब इसमें पुराने मॉडल पर हैलोजन यूनिट की जगह एक नई स्वच्छ हेडलाइट मिलती है जो एक अपमार्केट लुक देती है। हैंडलबार काउल को भी नया रूप दिया गया है और इसमें रेसिंग बाइक वाले एयर-स्कूप हैं। नई अप्रिलिया एसआर 160 के डिजाइन के रूप में एसआर स्कूटर में बड़े पहियों के साथ आती है। यह एबीएस (एंटीलॉक ब्रेकिंग सिस्टम), 160ष्टष्ट, 3 वी टेक स्नद्ब, हाई टेक, हाई-परफॉर्मेंस इंजन जैसी बेहतरीन इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी मिल रही है। इसका नया डिजाइन राइडर्स को ब्रांड के एक्सपीरिएंस को और अधिक मजेदार बनाएगा।

अप्रीलिया स्कूटर्स के फीचर्स

इंजन 160 सीसी का होगा पावर उसी 160 सीसी, एयर-कूल्ड, तीन-वाल्व इंजन से आती है जो 7600 आरपीएम पर 10.84 बीएचपी पावर और 6000 आरपीएम पर 11.6Nm टॉर्क जेनरेट करता है। स्कूटर 11-लीटर की स्टोरेज कैपेसिटी, एक स्क्चार्जर, बूट लाइट, 6-लीटर की फ्यूल टैंक कैपेसिटी से लैस है। इसमें एक पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल भी मिलता है जो अप्रिलिया sXR 160 से मिलता है।

चीन बना दुनिया का सबसे अमीर देश : अमेरिका को पछाड़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दुनिया की महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका को पछाड़कर चीन सबसे अमीर देश बन गया है। दुनियाभर के देशों की बैलेंस शीट पर नजर रखने वाली मैनेजमेंट कंसल्टेंट मैकिन्जे एंड कंपनी की रिसर्च ब्रांच की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 20 साल में दुनिया की संपत्ति 3 गुना बढ़ी है। लेकिन इस बढ़ोतरी में चीन की हिस्?सेदारी एक-तिहाई यानी लगभग 33 फीसदी है यानी चीन की संपत्ति करीब 16 गुना बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2000 में दुनिया की कुल संपत्ति 156 खरब डॉलर थी, जो 2 दशक बाद यानी साल 2020 के बाद बढ़कर 514 खरब डॉलर हो गई। वहीं, 2000 में चीन की कुल संपत्ति 7 खरब डॉलर थी, जो साल 2020 में तेजी से बढ़कर 120 खरब डॉलर पहुंच गई है।

चीन और अमेरिका के धन का बड़ा हिस्सा कुछ लोगों तक सीमित

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन और अमेरिका के धन का बहुत बड़ा हिस्?सा कुछ अमीर लोगों तक ही सीमित है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन दोनों देशों में 10 फीसदी आबादी के पास सबसे ज्यादा धन है। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि

इन देशों में अमीरों की तादाद तेजी से बढ़ रही है, जिसके कारण अमीर और गरीब देशों के बीच बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है।

दोगुनी हुई अमेरिका की संपत्ति

अमेरिका की संपत्ति बीते 20 साल में बढ़कर दोगुनी हो गई है। साल 2020 में अमेरिकी संपत्ति 90 खरब डॉलर पर पहुंच गई है। रिपोर्ट का कहना है कि यहां प्रॉपर्टी के दामों में बहुत ज्यादा वृद्धि न होने से अमेरिकी की संपत्ति चीन के मुकाबले कम रही और वह अपना नंबर एक का स्थान गंवा बैठा। रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल वैश्विक संपत्ति का 68 फीसदी हिस्सा अचल संपत्ति के रूप में मौजूद है, जबकि बाकी संपत्ति में बुनियादी ढांचा, मशीनरी और उपकरण जैसी चीजें शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों का बकाया घटकर 3,895 करोड़ रुपये : सरकार

नई दिल्ली। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों का बकाया घटकर 3 एक आधिकारिक बयान के अनुसार, गोयल ने कानपुर के राष्ट्रीय चीनी संस्थान के दीक्षांत समारोह का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन करते हुए यह बात कही। गोयल के पास वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्रालय का प्रभार है। अपने संबोधन में गोयल ने किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए गन्ने की उत्पादकता तथा उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। गोयल ने कहा कि चीनी उद्योग उत्पादकता बढ़ाकर लाखों किसानों की आय बढ़ाने में मदद कर सकता है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।